।। माँ मनसा देव्यै नमः ।।

॥ श्री गणेशाय नमः॥

राजा चन्द्र

मंत्री सूर्य

मनसा माता
लघु-पंचांग

प्रकाशक

श्री मनसा माता मन्दिर सेवा ट्रस्ट

पंजीकृत एवं प्रधान कार्यालय

लम्बोर धाम, पो. लम्बोर बड़ी, जिला : चुरू, राजस्थान, पिन : 331 023

दूरभाष : 01559 222561, 222016

शाखा कार्यालय

51, भुपेन बोस एवेन्यु, कोलकाता - 700 004

दूरभाष : 033 2543 7181, 2554 1808

visit : www.mansamata.com

email : info@mansamata.com

नव संवत्सर की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

लघु पंचांग **www.mansamata.com** पर भी उपलब्ध है।

विक्रम संवत् - २०६५, शक संवत् - १९३०

सन् - २००८-२००९

मुद्रण संख्या - १५,००१ मूल्य - सदुपयोग

अनुक्रमणिका

१. सम्पादक की कलम से ३
२. श्री मनसा माता मन्दिर सेवा ट्रस्ट (एक दृष्टि) ४
३. अध्यक्ष की कलम से ५
४. संवत्सर विचार ६
५. चौघड़िया ७
६. राशि ज्ञान चक्र ७
७. सहयोगदाताओं की सूची ..... ८ - १०
८. यात्रा सम्बन्धी कुछ उपयोगी सुझाव ११
९. अमृत सिद्धीयोग १२
१०. सर्वार्थ सिद्धीयोग ..... १२ - १३
११. ग्रह राशि प्रवेश सारिणी १४
१२. ग्रहों के वक्री-मार्गी/विभिन्न स्थानों पर उदय-अस्त व उनका समय १५-१६
१३. तारा के समय वर्जित कार्य, हवन हेतु अग्निवास जानने की रीति १६
१४. दीपावली पूजन मुहूर्त्त १७
१५. संवत् २०६५ के विविधि मुहूर्त्त ..... १७ - १८
१६. शुभ विवाह मुहूर्त्त १९
१७. भारत के प्रमुख नगरों में चैत्र नवरात्र कब एवं राजा कौन २०
१८. संदिग्ध व्रत पर्व व्यवस्था २१
१९. संवत् २०६५ के मुख्य पर्व २२
२०. मुख्य पंचांग संवत् २०६५ ..... २३ - ४६
२१. संकष्टी श्री गणेश चौथ का विभिन्न स्थान में चन्द्रोदय समय ४७
२२. संवत् २०६५ के ग्रहण ४८
२३. भद्रा विचार एवं परिहार ४९
२४. नवरात्र में देवीजी के आने एवं जाने के वाहन का नाम एवं फलादेश ५०
२५. शिव वास फल चक्रम् ५०
२६. पंचक के लक्षण एवं दोष निवारण ५१
२७. मूल वार नक्षत्र एवं पाया विचार ५१
२८. शनि की साढ़े साती एवं ढ़ैया ५२
२९. व्रत आदि क्यों और कैसे मनायें जायें ५३-५५
३०. लघु पंचांग प्राप्ति स्थान / विज्ञापन ५६
३१. श्री मनसा माता जी के जागरण एवं कड़ाही का विवरण ..... आवरण अंतः पृष्ठ द्वितीय

पंचांग का समय

पंचांग में दिये गये तिथि-नक्षत्र का जो समय दिया हुआ है वह I S T में तिथि-नक्षत्र का समाप्ति काल का दिया हुआ है। चन्द्रमा के राशि प्रवेश का समय भी I S T में है। यह सभी समय सम्पूर्ण भारतवर्ष में एक ही रहेंगें।

सम्पादक की कलम से

प्रिय भक्तगणों,

माँ मनसा की असीम अनुकम्पा से **'मनसा माता लघु पंचांग'** का **'नवम् पुष्प'** आपकी सेवा में प्रस्तुत किया जा रहा है। मैं इस महान कार्य को पूर्ण रूप से संचालित करने के लिए **श्री मनसा माता मंदिर सेवा ट्रस्ट** से जुड़े सभी सदस्यों व भक्तों का तन-मन-धन से निःस्वार्थ प्रकाशन करने के लिए तथा इस पूण्य कार्य को घर-घर व सभी लोगों तक पहुंचाने के लक्ष्य पूर्ति हेतु सभी सुधिजनों की **माँ मनसा** से दीर्घायु होने की कामना करता हूँ।

माँ मनसा की सेवार्थ इस पूण्य कार्य को करने का दायित्व मुझे सौंपा गया, उसके लिए मैं सभी सदस्यों व भक्तों का आजीवन ऋणी रहूंगा। मेरा यह प्रयास रहा है कि विभिन्न विषय वस्तुओं को पंचांग में सम्मिलित किया जाय । यदि कोई विषय अनदेखा रह गया है तो आप अपने महत्वपूर्ण सुझाव लिखित या मौखिक भेज कर लघु पंचांग को और अधिक उपयोगी बनाने में सहयोग देवें। पंचांग में किसी भी प्रकार की लेखन व प्रकाशन में त्रुटि रह गई हो तो कृपया मुझे क्षमा करेंगे।

सभी भक्तजनों का नव संवत्सर मंगल कुशल शुरू हो,

पं० जितेन्द्र आचार्य *'ज्योतिषाचार्य'*

भारतभूषण एवं डॉ. मेघनाथ साहा पुरस्कार से सम्मानित

पंचांगकर्ता श्री राजराजेश्वरी पंचांग

मनसा माता लघु पंचांग की गणना कोलकाता के अक्षांश-रेखांश (२२.३५ उत्तर - ८८.२३ पूर्व) के मान पर सुक्ष्म केतकी गणित (चित्रापक्षीय) द्वारा निर्मित **श्री राजराजेश्वरी पंचांग** के आधार पर की गई है।

श्री मनसा माता मन्दिर सेवा ट्रस्ट

एक दृष्टि

श्री नन्दकिशोर हमीरवासिया	-	अध्यक्ष	:	बलरामपुर
श्री लक्ष्मीनारायण ताम्बाखेड़ीवाला	-	उपाध्यक्ष	:	सादुलपुर
श्री पवन कुमार हमीरवासिया	-	मंत्री	:	कोलकाता
श्री बिमल कुमार हमीरवासिया	-	संयुक्त मंत्री	:	कोलकाता
श्री नरेश चन्द्र हमीरवासिया	-	कोषाध्यक्ष	:	नानपारा
श्री गिरधारी लाल शर्मा "शास्त्री"			:	मलसीसर
श्री पुरुषोत्तमलाल हमीरवासिया			:	रायपुर
श्री उग्रसेन कोहलीवाला			:	काठमाण्डू
श्री अशोक कुमार हमीरवासिया			:	कोलकाता
श्री फुलचन्द हमीरवासिया			:	कोलकाता
श्री बालकृष्ण बालासरिया			:	जयपुर
श्री आदर्श हमीरवासिया			:	बहराईच
श्री सजन कुमार ताम्बाखेड़ीवाला			:	दिल्ली
डॉ. आनन्द हमीरवासिया			:	नानपारा
श्री आदेश हमीरवासिया			:	नानपारा
श्री सत्यनारायण अग्रवाल				दिल्ली

जन्मपत्री निर्माण, फलादेश, मुहूर्त्त, अनुष्ठान, फिंगर प्रिंट से जन्म समय निकालना, मकान, कारखाना, शो-रूम के वास्तु सम्मत नक्शे तैयार करना, बिना तोड़-फोड़ के वास्तुदोष निवारण, पिरामिड द्वारा निवारण, वास्तुशांति, शतचंडी, विधान हित श्रीमद् भागवत पुराण ज्ञान कथा वाचन आदि कार्यों हेतु निचे लिखे पते पर सम्पर्क करें:-

पं० जितेन्द्र आचार्य

श्री धनेश्वर ज्योतिष कार्यालय

४, गौरदास बैशाख लेन, सी. आई. टी. पार्क के सामने, कोलकाता - ७०० ००७

दूरभाष : (निवास) ९३३१३ ४४५३१, मोबाईल : ९८३१३ ४४५३१

अध्यक्ष की कलम से

प्रिय भक्तगण,

आप सबको नये सम्वत् की शुभ कामनायें। **लघु पंचांग का नवम् पुष्प** आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है। लघु पंचांग प्रकाशन **दो हजार** प्रतियों से शुरू हुआ था, जो आज **पन्द्रह हजार** तक पहुंच गया है। यह सब आपके आर्थिक एवं हार्दिक सहयोग से सम्भव हो पाया है जिसकी प्रशंसा करने लायक मेरे पास शब्द नहीं है। भविष्य में इससे भी अधिक सहयोग मिलता रहेगा इसकी आशा रखता हूँ।

पं० जितेन्द्र शास्त्रीजी का मैं आभारी हूँ जिन्होंने इस वर्ष भी प्रकाशन कार्य की जिम्मेदारी लेकर हमें कृतार्थ किया।

माँ मनसा से आप सभी की मंगलकामना सहित-

आपका शुभेच्छु

नन्दकिशोर हमीरवासिया

दिव्य धारा स्त्रोत्र

गंगा गंगेति गंगेति, सर्व पाप प्रक्षालिनी। यमुना यमुनेति यमुनेति, यमपाश विदारिणी।।

गंगा गंगा गंगा तीन बार कहने से सारे पाप धुल जाते हैं और यमुना यमुना यमुना तीन बार कहने से यम पाश कुछ बिगाड़ नहीं सकता है।

मंदाकिनी अलकनन्दा, क्षीप्रा भीमा तथैव च। गौतमी गोमती धारा, परमार्थ प्रदायिनीम्।।

केदारनाथ और बद्री नारायण में मंदाकिनी और अलकनंदा, भीमा शंकर में भीमा, त्र्यम्बकेश्वर में गौतमी, द्वारका में गोमती बहने वाली पवित्र धाराएँ मनुष्य जीवन को परमार्थ करती है।

संवत्सर विचार - २०६५

वर्तमान संवत्सर का प्रारंभ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा ७ अप्रैल वार सोमवार को अश्विनी नक्षत्र में हो रहा है। इस वर्ष जिस स्थान पर सूर्योदय प्रातः ०६:०९ से पहले होगा वहाँ पर राजा चन्द्र होगा और जिस स्थान पर ०६:०९ के बाद होगा वहाँ पर राजा सूर्य होगा। मंत्री सूर्य होगा।

विक्रमी संवत्सर का नाम प्लव है। जनता वर्ष फर प्लव नाम के संवत्सर का उपयोग संकल्प वगैरह में करेगी।

वर्तमान वर्ष सृष्टियाब्द १९५५८८५३०९ गत होकर सतयुग, त्रेता, द्वापर का ३१वां चक्र होकर कलियुग का ५१०८ वर्ष गत होकर शेष ४२६८९२ रहेगा। महाराजा वीर विक्रमादित्य का २०६४ वर्ष गत तथा वीरभुज शालिवाहन का १९२९ वर्ष शाका गत हो जायेगा। वर्तमान शाका १९३० होगा।

राजा - चन्द्र मंत्री - रवि

सस्येश	- बुध	धान्येश	- चन्द्र	मेघेश	- शनि
रसेश	- गुरू	नीरसेश	- मंगल	फलेश	- शनि
धनेश	- मंगल	दुर्गेश	- शनि		

ये दशाधिकारी भू-मण्डल पर शासन करेंगे । इन दशाधिकारियों का फल निम्न है।

राजा चन्द्र - जनता में मांगलिक, शुभकार्य अधिक होगा। वर्षा होने पर धान्य प्रचूर मात्रा में होगा। जनता निरोग एवं सूखी रहेगी। रोग व्याधि नहीं होती है।

मंत्री रवि - वर्षा की कमी रहे, वृक्षों गर फल-फूल कम मात्रा में होंगे। दुध आदि कम। प्रशासन पर क्रुर अपराधियों का वर्चस्व, अन्न व रसीले पदार्थ महंगे होंगे।

सस्येश बुध - वर्षा अधिक, जनता में सुख समृद्धि रहे, उपद्रव शान्त हो, ब्राह्मण वेदों के अध्ययन में लीन रहेंगे व बुद्धिजीवी वर्ग भी अध्ययन - अध्यापन में प्रवृत रहे।

धान्येश चन्द्र - जनसंख्या में वृद्धि होगी। अन्न व तिलहन की फसलें अधिक होगी। गो दुग्ध, घृतादि पदार्थ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होंगे।

मेघेश शनि - कुछ प्रान्तों में वर्षा की कमी रहेगी व कुछ क्षेत्र अकाल से ग्रस्त होंगे। शासक वर्ग के व्यवहार से जनता में रोष व असंतोष, रोगों में परेशानी होगी।

रसेश गुरू - प्रजा में सदव्यवहार बना रहेगा। फल-फूल, घास व जंगल में पैदा होने वाली जड़ी बुटियाँ अधिक मात्रा में होगी। पशुचारा पर्याप्त हो। बुद्धि जीवि वर्ग का सम्मान हो।

नीरसेश मंगल - मूंगा, लाल वस्त्र, लाल चन्दन, तांबा आदि लाल रंग की धातूएँ प्रतिदिन महंगी होगी।

फलेश शनि - फलदान वृक्षों पर फूल आते ही खराब होंगे। किसान अपक्वान्न के खराब होने से दुखी रहें। ओलावृष्टि व हिमापत से फसल खराब, चौर जन्तु से भय रहे।

धनेश मंगल - वायदा एवं हाजिर के व्यापार में विशेष उठापठक रहे तथा कई बार तेजी मंदी की प्रतिक्रिया अधिक अनुभव होगी। मार्गशीर्ष मास में अन्न के किए हुए स्टॉक से लाभ हो।

दुर्गेश शनि - देश में अशांति व कई जगह दंगों व झगड़ों से लोग अपना स्थान छोड़ कर अन्यत्र जाने को विवश होंगे। किसी प्रांत विशेष में जातिवाद, धर्माधन्ता व क्लेश बढ़े।

चौघड़िया

साधारणतया चौघड़िया ४ घटी यानी १ घंटा ३६ मिनट का माना गया है। दिनमान (अर्थात् सूर्योदय होने के समय से अस्त होने के बीच का समय) एवं रात्रिमान (अर्थात् सूर्यास्त होने से लेकर सूर्योदय होने के बीच समय) को ८ से भाग देवें, उतने समय का एक चौघड़िया का मान निकलता है। उद्वेग, चर, लाभ, अमृत, काल, शुभ, रोग, आदि इनके नाम है। इनमें लाभ, अमृत, शुभ, चर का चौघड़िया कार्य सिद्धि के लिए उत्तम माना गया है।

दिन का चौघड़िया

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल

रात का चौघड़िया

रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
लाभ	सुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

।। राशि ज्ञान चक्र ।।

	मेष	चू	चे	चो	ला	ली	लू	ले	लो	अ
	वृष	ई	उ	ए	ओ	वा	वी	वू	वे	वो
	मिथुन	का	की	कू	घ	ङ	छ	के	को	हा
	कर्क	ही	हू	हे	हो	डा	डी	डू	डे	डो
	सिंह	मा	मी	मू	मे	मो	टा	टी	टू	टे
	कन्या	टा	पा	पी	पू	ष	ण	ठ	पे	पो
	तुला	रा	री	रू	रे	रो	ता	ती	तू	ते
	वृश्चिक	तो	ना	नी	नू	ने	नो	या	यी	यू
	धनु	ये	यो	भा	भी	भू	ध	फ	ढ़	भे
	मकर	भो	जा	जी	खी	खू	खे	खो	गा	गी
	कुम्भ	गू	गे	गो	सा	सी	सू	से	सो	दा
	मीन	द	दू	थ	झ	भ	दे	दो	चा	ची

देशे ग्रामे गृहे युद्धे, सेवायां व्यवहारके। नाम राशेः प्रधानत्व, जन्मराशि न चिन्तयेत् ।।
विवाहे सर्वमंगल्ये यात्रायां ग्रह गोचरे। जन्म राशि प्रधानत्व, नाम राशि न चिन्तयेत् ।।

मनसा माता लघु-पंचांग, नवम् पुष्प *के प्रकाशन एवं वितरण में जिन श्रद्धालुओं ने आर्थिक सहयोग दिया है उनके नाम क्रमशः इस प्रकार हैं -*

क्र. सं.	नाम	स्थान	राज्य	दूरभाष
०१	श्री नन्दकिशोर हमीरवासिया	बलरामपुर	(उ. प्र.)	२३२२९०
०२	श्री महेश प्रसाद अग्रवाल	बलरामपुर	(उ. प्र.)	२३२१०८
०३	श्री विष्णु अग्रवाल	बलरामपुर	(उ. प्र.)	२३२५३७
०४	श्री चन्द्रप्रकाश अग्रवाल	बलरामपुर	(उ. प्र.)	२३२०७९
०५	श्री छगनलाल तुलसीयान	बलरामपुर	(उ. प्र.)	२३२२२९
०६	डॉ० आनन्द हमीरवासिया	नानपारा	(उ. प्र.)	२३२२०९
०७	श्री आदित्य हमीरवासिया	नानपारा	(उ. प्र.)	२३३२७३
०८	सर्वश्री गणेशीलाल रामेश्वरदास	हरदोई	(उ. प्र.)	२३४२६४
०९	श्री केदारनाथ छापड़िया	उस्का बाजार	(उ. प्र.)	२५२३२२
१०	श्री प्रेमशंकर अग्रवाल	लखीमपुर	(उ. प्र.)	२६३३६३
११	श्री सीताराम रूंगटा	आजमगढ़	(उ. प्र.)	२४३३४१
१२	श्री सीतराम मोदी	आजमगढ़	(उ. प्र.)	९३३५०१६८६८
१३	श्री आदर्श हमीरवासिया	बहराईच	(उ. प्र.)	२२८७४४
१४	श्री ओमप्रकाश हमीरवासिया	तुलसीपुर	(उ. प्र.)	२४४४२६
१५	श्री हरिकृष्ण हमीरवासिया	तुलसीपुर	(उ. प्र.)	२४४४२७
१६	श्री गोपाल हमीरवासिया	तुलसीपुर	(उ. प्र.)	२४४६५९
१७	श्री अशोक वर्द्धन हमीरवासिया	तुलसीपुर	(उ. प्र.)	२४४४६३
१८	श्री हर्षवर्द्धन हमीरवासिया	तुलसीपुर	(उ. प्र.)	२४४६९५
१९	श्री सत्यवर्द्धन हमीरवासिया	इकौना	(उ. प्र.)	२५५४२६
२०	श्री इन्द्रचन्द अग्रवाल	वाराणसी	(उ. प्र.)	२३१२१६६
२१	श्री रामलखन लोहिया	वाराणसी	(उ. प्र.)	२३९७७७१
२२	श्री कमल अग्रवाल	वाराणसी	(उ. प्र.)	२३१५९३८
२३	श्री नारायण प्रसाद सुलतानिया	नैनी	(उ. प्र.)	९३३५१५१५७२
२४	श्री विश्वनाथ प्रसाद मित्तल	दुदही	(उ. प्र.)	२६४०२१
२५	श्री सत्यनारायण अग्रवाल	लखनऊ	(उ. प्र.)	३२४१९०३
२६	श्री विष्णु केशरवानी	गोरखपुर	(उ. प्र.)	९४१५०८१००४
२७	श्री उग्रसेन कोहलीवाला	काठमाण्डू	(नेपाल)	४४७४७५४
२८	श्री रौशनलाल अग्रवाल	काठमाण्डू	(नेपाल)	४२४३२९५
२९	श्री विश्वनाथ बालासरिया	जामनगर	(गुजरात)	२७५०८३२
३०	श्री संतोष बालासरिया	जामनगर	(गुजरात)	५५४७२७६
३१	श्री अजय गोयनका	अहमदाबाद	(गुजरात)	२६८४०२५१
३२	श्री मनोज अग्रवाल	अहमदाबाद	(गुजरात)	६६३११२९३
३३	श्री आनन्द स्वरूप गिलरा	बछाऊ	(गुजरात)	९९७९८७२११३
३४	श्री मदनलाल अनिल कु. ताम्बाखेड़ीवाला	दिल्ली	(दिल्ली)	२२१५९३४४
३५	श्री महेन्द्रकुमार शिवकुमार ताम्बाखेड़ीवाला	दिल्ली	(दिल्ली)	२२०८१४९४
३६	श्री प्रवीण कुमार हमीरवासिया	दिल्ली	(दिल्ली)	३०९४६३४२
३७	श्री सत्यनारायण कोहलीवाला	दिल्ली	(दिल्ली)	२३२४५६५९
३८	श्री शिवकुमार लम्बोरिया	दिल्ली	(दिल्ली)	९८११४८६४३९
३९	श्री अशोक लम्बोरिया	दिल्ली	(दिल्ली)	९८११०६२६९१
४०	श्री सुभाष लम्बोरिया	दिल्ली	(दिल्ली)	९८९९७५५६२४
४१	सर्वश्री विजन फूटवियर्स प्राईवेट लिमिटेड	दिल्ली	(दिल्ली)	२८७५२२९१

क्र. सं.	नाम	स्थान	राज्य	दूरभाष
४२	श्री गोविन्द प्रसाद हमीरवासिया	बंगलौर	(कर्नाटक)	२६५९०२४५
४३	श्री अशोक कुमार गोयल	नीमच	(मध्य प्रदेश)	२२८९९७
४४	श्री राजीव कोठारी	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२२३४६४१४
४५	श्री संतोष शाह	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२२४८४७९०
४६	श्री हनुमान प्रसाद मित्तल	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२२३४९९५४
४७	श्री केदारमल बंका मेमोरियल ट्रस्ट	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२२४८४६२७
४८	श्री आकाश अग्रवाल	कोलकाता	(पं. बंगाल)	९८३१३४७३२०
४९	श्री कमल पुगलिया	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२२२११५३६
५०	श्री प्रहलादराय चंगोईवाला	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२२४८६२४६
५१	श्री धीरज गर्ग	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२४४०१७३५
५२	श्री सुरेश कुमार जालान	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२४५४५०४४
५३	सर्वश्री आशीष इन्डस्ट्रीयल कॉर्पोरेशन	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२२८३१८५५
५४	सर्वश्री शक्ति ऑरगेनिक्स	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२५४३५५४०
५५	सर्वश्री मनसा ट्रेडकॉम	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२५४३७९८९
५६	श्री ओम प्रकाश बालासरिया	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२२८२२६२६
५७	श्री सुशील कुमार छावछरिया	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२२८७१९९०
५८	श्री पन्नालाल भगत	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२४७६६६११
५९	श्री घनश्याम दास हमीरवासिया	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२२३६९०८७
६०	सर्वश्री सरस्वती पेपर मार्ट	कोलकाता	(पं. बंगाल)	२२७०१३४७
६१	श्री महालक्ष्मी ट्रेडिंग कम्पनी	कोलकाता	(पं. बंगाल)	३०६८८९००
६२	श्री विष्णु कुमार अग्रवाल	सलकिया,हावड़ा	(पं. बंगाल)	९२३१६२०७६०
६३	श्री ताराचन्द मित्तल	सिलीगुड़ी	(पं. बंगाल)	२४३२४०५
६४	श्री बेगराज मित्तल	सिलीगुड़ी	(पं. बंगाल)	२४३००१८
६५	श्री रमेश कुमार मित्तल	सिलीगुड़ी	(पं. बंगाल)	२७७७३६७
६६	श्री मोहनलाल केजड़ीवाल	सिलीगुड़ी	(पं. बंगाल)	२५०३५२५
६७	श्री किसन कुमार मित्तल	बानरहाट	(पं. बंगाल)	९४३४१८४३०१
६८	श्री कैलाश अग्रवाल	बेनागुड़ी	(पं. बंगाल)	२५९०७९
६९	श्री रामस्वरूप अग्रवाला	धुलियान	(पं. बंगाल)	९४३४०१७८६७
७०	श्री राजेश केजरीवाल	टाडाँग	(सिक्किम)	९८३२४२५९६१
७१	श्री राजकुमार केजरीवाल	गंगटौक	(सिक्किम)	९८३२३४७८७१
७२	श्री विसेश्वर लाल मित्तल	पटना	(बिहार)	२६८३१६३
७३	श्री भगवान दास टेकड़ीवाल	पटना सिटी	(बिहार)	९३३४०२८२२५
७४	श्रीमती उषा देवी खेमका	समस्तीपुर	(बिहार)	२२२४७०
७५	श्री कैलाश प्रसाद हमीरवासिया	भागलपुर	(बिहार)	२६०००३०
७६	श्री शंकर लाल मोदी	भुवनेश्वर	(उड़ीसा)	२५७२३४१
७७	श्री दीपक मोदी	राउरकेला	(उड़ीसा)	२५२२३२१
७८	सर्वश्री पन्नालाल चतुर्भुज	राउरकेला	(उड़ीसा)	२५२२९७०
७९	श्री विनोद हमीरवासिया	रायपुर	(छत्तीसगढ़)	३०९३१३१
८०	श्री विश्म्भर दयाल हमीरवासिया	मुंबई	(महाराष्ट्र)	२८७७७५९२
८१	श्री मोहनलाल हमीरवासिया	मुंबई	(महाराष्ट्र)	२८२२६३६२
८२	श्री बनवारीलाल माखरिया	मुंबई	(महाराष्ट्र)	२८३२०४७२
८३	श्री कैलाशचन्द्र गुप्ता	मुंबई	(महाराष्ट्र)	९८२१४२१३५५
८४	श्री रामअवतार हमीरवासिया	मुंबई	(महाराष्ट्र)	२८५४२५९७

क्र. सं.	नाम	स्थान	राज्य	दूरभाष
८५	श्री गोपीराम हमीरवासिया	कल्याण	(महाराष्ट्र)	२२३२५१२
८६	श्री सुरेश बालासरिया	वसई (पूर्व)	(महाराष्ट्र)	९३२३५५३७७०
८७	श्री ज्वाला प्रसाद बालासरिया	हैदराबाद	(आन्ध्र प्रदेश)	२७७९४७४८
८८	श्री पवन कुमार बजाज	राँची	(झारखण्ड)	९४३११७०४०३
८९	श्री सतीश कुमार	गिरिडीह	(झारखण्ड)	२२४०८९
९०	सर्वश्री श्रीनिवास सुनीलकुमार मित्तल	बाजपुर	(उत्तरांचल)	२८११३५
९१	सर्वश्री विजय कुमार खन्ना	बाजपुर	(उत्तरांचल)	९८३७२०५८३९
९२	श्री रूपकिशोर सिंघल	बाजपुर	(उत्तरांचल)	२८१०६१
९३	सर्वश्री राजेन्द्र कुमार महेन्द्रपाल अग्रवाल	बाजपुर	(उत्तरांचल)	२८१२९३
९४	सर्वश्री आनन्द प्रकाश कृष्ण कुमार मित्तल	बाजपुर	(उत्तरांचल)	२८१३३९
९५	लाला चन्द्रभान गर्ग (अध्यक्ष नगरपालिका परिषद)	बाजपुर	(उत्तरांचल)	२८१२४८
९६	श्री रमेश मित्तल, शिवशक्ति स्टोर	बाजपुर	(उत्तरांचल)	२८१५५८
९७	सर्वश्री प्रकाश स्ट्रा बोर्ड मिल्स प्रा. लि.	बाजपुर	(उत्तरांचल)	२८१२४५
९८	श्रीमती सतवन्तीदेवी मित्तल	रामराज रोड बाजपुर	(उत्तरांचल)	२८१४३१
९९	सर्वश्री उमाशक्ति स्टील्स प्रा. लि.	विक्रमपुर, बाजपुर	(उत्तरांचल)	२३७५८३
१००	सर्वश्री भगवती एलायज	विक्रमपुर, बाजपुर	(उत्तरांचल)	९८३७०३९०००
१०१	सर्वश्री सनसाईन इण्डस्ट्रीज लि.	विक्रमपुर, बाजपुर	(उत्तरांचल)	९८३७२२१२८०
१०२	सर्वश्री त्रिभुवन इस्पात प्रा. लि.	विक्रमपुर, बाजपुर	(उत्तरांचल)	२८२१५०
१०३	सर्वश्री नन्दलाल राजेन्द्र कुमार	रुद्रपुर	(उत्तरांचल)	२४३२९८
१०४	श्री राकेश कुमार गोयल	किच्छा	(उत्तरांचल)	२६५१५६
१०५	श्री मदनगोपाल अग्रवाल	किच्छा	(उत्तरांचल)	२६४१६२
१०६	श्री शंकरलाल नक्कीपुरीया	भिवानी	(हरियाणा)	९४१६०९८१०५
१०७	श्री रामनिवास कोहलीवाला	हिसार	(हरियाणा)	२३२२१८
१०८	श्री कमल भगेरिया	जयपुर	(राजस्थान)	२३५१६७७
१०९	श्री सीताराम लम्बोरिया	सहावा	(राजस्थान)	२८४२५८
११०	श्री राजेन्द्र कुमार लम्बोरिया	सहावा	(राजस्थान)	२८४२३४
१११	श्री मोमन चन्द मित्तल	श्री गंगानगर	(राजस्थान)	२४६२४५०
११२	श्री पवन कुमार भरतिया	भिलवाड़ा	(राजस्थान)	२२९१६७
११३	श्री लक्ष्मीनारायण ताम्बाखेड़ीवाला	सादुलपुर	(राजस्थान)	२२२०१६
११४	श्री नौरंगराय लम्बोरवाला	सादुलपुर	(राजस्थान)	२२२१७१
११५	श्री छबीलचन्द बैरासरिया (अध्यक्ष अग्रवाल सभा)	सादुलपुर	(राजस्थान)	२२२५७१
११६	श्री घीसाराम बैरासरिया	सादुलपुर	(राजस्थान)	९४१४०८६८१५
११७	श्री ओमप्रकाश ददरेवावाले	सादुलपुर	(राजस्थान)	९४१३३६०४२१
११८	श्री राधेश्याम डोकवेवाला (अध्यक्ष व्यापार मंडल)	सादुलपुर	(राजस्थान)	२२२०९१
११९	सर्वश्री श्री गोपाल ऑयल इण्डस्ट्रीज	बारपेटा रोड	(असम)	२६०७४७
१२०	श्री श्रीराम मित्तल	तिनसुकिया	(असम)	९४३५०३५८०४

उपरोक्त श्रद्धालुओं के हम हार्दिक आभारी हैं जिनके आर्थिक सहयोग से **"मनसा माता लघु पंचांग"** का प्रकाशन कर इसे हजारों घरों तक पहुँचाना सम्भव हो पाया है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में इससे भी बढ़कर सहयोग प्राप्त होगा जिससे **लघु पंचांग** को ज्यादा से ज्यादा श्रद्धालुओं तक पहुँचाकर **श्री श्री मनसा माताजी** की महिमा का प्रचार एवं प्रसार घर-घर में किया जा सकेगा।

जो श्रद्धालु भक्तगण इस महत् कार्य में सहोयग देने से वंचित रह गये हैं उनसे भी अनुरोध है कि वे भविष्य में अधिक से अधिक सहयोग देने तथा दिलाने की कोशिश करें।

लघु-पंचांग प्राप्ति हेतु उपरोक्त श्रद्धालुओं से भी संपर्क कर सकते हैं।

यात्रा सम्बन्धित कुछ उपयोगी सुझाव

यात्रा का मुहूर्त्त निर्धारण करते समय दिशा शूल, योगिनी वास, काल राहु वास, भद्रा, शुभ तिथि, शुभ नक्षत्र व श्रेष्ठ चौघड़िया आदि पर विचार कर लेना चाहिए।

शुभ नक्षत्र : अश्विनी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, हस्त, अनुराधा, श्रवण, धनिष्ठा, रेवती।
मध्यम नक्षत्र : रोहिणी, उत्तरा तीनों, पूर्वा तीनों, मूला, आश्लेषा, शतभिषा।
वर्जित नक्षत्र : भरणी, कृतिका, आर्द्रा, मघा, चित्रा, स्वाति, विसाखा, ज्येष्ठा।
श्रेष्ठ चौघड़िया : अमृत, लाभ, शुभ, चर।
शुभ तिथि : **शुक्लपक्ष** - २, ३, ५, ७, १०, ११, १३। **कृष्णपक्ष** - १ ।

जिस ओर दिशा शूल हो उस ओर यात्रा वर्जित है

पूरब	सोमवार, शनिवार	अग्नि कोण	(दक्षिण-पूर्व)	सोमवार, गुरूवार
दक्षिण	गुरूवार	नैऋत्य कोण	(दक्षिण-पश्चिम)	रविवार, शुक्रवार
पश्चिम	शुक्रवार, रविवार	वायव्य कोण	(उत्तर-पश्चिम)	मंगलवार
उत्तर	मंगलवार, बुधवार	ईशान कोण	(उत्तर-पूर्व)	बुधवार, शनिवार

यदि विशेष कारणवश यात्रा करनी पड़े तो दिशा शूल दोष निवारण हेतू निम्नलिखित वस्तुओं को खाकर और धारणकर यात्रा करें।

वार	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
खाकर	पान, घी	दर्पण ★	गुड़	तिल, धनिया	दही	जौ, राई	कालीमिर्च
★ *दर्पण देखकर यात्रा प्रारंभ करें।*							

चन्द्र वास चक्रम्

दिशा	पूरब	दक्षिण	पश्चिम	उत्तर
चन्द्रराशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क
चन्द्रराशि	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक
चन्द्रराशि	धनु	मकर	कुम्भ	मीन

यात्रा में चन्द्रमा यदि सामनें हो तो धनप्राप्ति, दाहिने हो तो सुख-सम्पत्ति, बाएं हो तो धन की हानि एवं पीठ की तरफ हो तो शारीरिक कष्ट प्रदान करते हैं। अतः यात्रा करने से पूर्व चन्द्रवास का विचार कर लेना चाहिए।

योगिनीवास चक्रम्

दिशा	पूर्व	अग्नि कोण	दक्षिण	नैऋत्य कोण	पश्चिम	वायव्य कोण	उत्तर	ईशान कोण
तिथि	प्रतिपदा नवमी	तृतीया एकादशी	पंचमी त्रयोदशी	चतुर्थी द्वादशी	षष्ठी चतुर्दशी	सप्तमी अमावस्या	द्वितीया दशमी	अष्टमी पूर्णिमा

योगिनी सम्मुखे द्यूते गमे युद्धे च मृत्युदा । अशुभा वाम भागस्था पृष्ठे दक्षे जय प्रदा।।

राहु काल चक्रम्

राहुकाल में मांगलिक कार्य, यात्रा आदि निषेध है

वार	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	रवि
समय	सुबह ०७.३० से ०९.०० तक	शाम ०३.०० से ०४.३० तक	दिन में १२.०० से ०१.३० तक	दिन में ०१.३० से ०३.०० तक	दिन में १०.३० से १२.०० तक	सुबह ०९.०० १०.३० तक	शाम ०४.३० से ०६.०० तक

संवत् २०६५ के अमृत सिद्धीयोग

२३ अप्रैल सूर्योदय से रात १२:०८ बजे तक
२१ मई सूर्योदय से दिन ०६:१९ बजे तक
३० मई सूर्योदय से रात ०७:४८ बजे तक
२७ जून सूर्योदय से रात ०२:१० बजे तक
२५ जूलाई सूर्योदय से दिन ०८:१९ बजे तक
२८ जूलाई रात ०२:०१ से सूर्योदय होने तक
३१ जूलाई रात ०७:२६ से सूर्योदय होने तक
२५ अगस्त दिन ०८:३० से सूर्योदय होने तक
२८ अगस्त सूर्योदय से रात ०२:२७ बजे तक
२० सितम्बर दोपहर ०३:२७ से सूर्योदय होने तक
२२ सितम्बर सूर्योदय से दोपहर १२:२५ तक
२५ सितम्बर सूर्योदय से दिन ०९:१५ बजे तक
१४ अक्टूबर रात ०५:०५ से सूर्योदय होने तक
१८ अक्टूबर सूर्योदय से रात ०८:१२ बजे तक
२६ अक्टूबर दोपहर ०३:४५ से सूर्योदय होने तक
११ नवम्बर दोपहर ०३:४२ से सूर्योदय होने तक
२३ नवम्बर सूर्योदय से रात १०:४९ बजे तक
२६ नवम्बर रात ०५:२२ से सूर्योदय होने तक
०९ दिसम्बर सूर्योदय से रात १२:३० तक
२४ दिसम्बर दिन ११:२० बजे से सूर्योदय होने तक
०६ जनवरी सूर्योदय से दिन ०९:५२ बजे तक
२१ जनवरी सूर्योदय से रात ०८:३१ बजे तक
२७ फरवरी रात १०:२२ से सूर्योदय होने तक

संवत् २०६५ के सर्वार्थ सिद्धीयोग

०८ अप्रैल दोपहर ०३:५४ से सूर्योदय होने तक
०९ अप्रैल सूर्योदय से १० अप्रैल सूर्योदय होने तक
१३ अप्रैल दिन में ०७:१३ से १४ अप्रैल दिन ०७:०२ तक
१५ अप्रैल सूर्योदय से दिन में ०७:२५ तक
२३ अप्रैल सूर्योदय से रात १२:०८ बजे तक
२७ अप्रैल ०८:३४ बजे से सूर्योदय होने तक
२८ अप्रैल १०:४१ बजे से सूर्योदय होने तक
०४ मई ०७:५० बजे सूर्योदय होने तक
०६ मई सूर्योदय से रात ११:०४ बजे तक
०७ मई सूर्योदय से सूर्योदय होने तक
०९ मई दोपहर १५:३१ से सूर्योदय होने तक
११ मई सूर्योदय से दोपहर ०१:१८ बजे तक
१७ मई रात ०९:४७ से सूर्योदय होने तक
१९ मई रात ०३:२४ बजे से सूर्योदय होने तक
२१ मई सूर्योदय से दिन में ०६:१९ तक
२५ मई सूर्योदय से सायं ०५:१२ बजे तक
२६ मई सूर्योदय से सायं ०७:०८ बजे तक
३० मई सायं ०७:४१ से सूर्योदय होने तक
०१ जून सूर्योदय से दोपहर ०३:३९ बजे तक
०३ जून सूर्योदय से दिन में ०९:५० बजे तक
०४ जून सूर्योदय से रात ०३:४७ बजे तक
०५ जून रात ०१:०९ से सूर्योदय होने तक
११ जून रात ११:०५ से सूर्योदय होने तक
१४ जून सूर्योदय से सूर्योदय होने तक
१६ जून दिन ०९:२३ से सूर्योदय होने तक
२१ जून रात १०:५५ से सूर्योदय होने तक
२६ जून रात ०३:०९ से २८ जून सूर्योदय होने तक
३० जून रात ०७:५८ से सूर्योदय होने तक
०२ जूलाई सूर्योदय से दोपहर ०२:२५ बजे तक
०३ जूलाई दोप ११:४४ से ०४ जूलाई ०९:२० तक
०९ जूलाई दिन में ०६:३२ से सूर्योदय होने तक
१२ जूलाई सूर्योदय से दोपहर ०१:०१ बजे तक
१४ जूलाई सूर्योदय से सायं ०६:५१ बजे तक
१८ जूलाई रात ०५:०१ से २० जूलाई सूर्योदय होने तक

संवत् २०६५ के सर्वार्थ सिद्धीयोग

२४ जूलाई दिन ०८:५५ से २६ जूलाई सूर्योदय होने तक
२८ जूलाई सूर्योदय से सूर्योदय होने तक
३१ जूलाई सूर्योदय से सूर्योदय होने तक
०६ अगस्त सूर्योदय से दोपहर ०४:२६ बजे तक
१५ अगस्त दोप १२:०७ से १६ अगस्त दोप ०१:३३ तक
२१ अगस्त सूर्योदय से २२ अगस्त दोप. १२:४२ तक
२५ अगस्त सूर्योदय से सूर्योदय होने तक
२८ अगस्त सूर्यदोय से रात ०२:२७ बजे तक
३१ अगस्त रात १२:१९ से सूर्योदय होने तक
१२ सितम्बर सूर्योदय से रात १०:०५ बजे तक
१८ सितम्बर सूर्योदय से सायं ०६:४५ बजे तक
२२ सितम्बर सूर्योदय से दोपहर १२:२५ बजे तक
२५ सितम्बर सूर्योदय से दिन में ०९:१५ बजे तक
२८ सितम्बर दिन में ०८:२९ से सूर्योदय होने तक
०३ अक्टूबर दोप. ०३:२२ से सूर्योदय होने तक
०५ अक्टूबर रात ०९:०६ से सूर्योदय होने तक
१० अक्टूबर सूर्योदय से दिन में ०७:१० बजे तक
१४ अक्टूबर सूर्योदय से दिन में ०६:४७ बजे तक
१८ अक्टूबर सूर्योदय से दिन में ०६:४७ बजे तक
१८ अक्टूबर सूर्योदय से रात ०८:१२ बजे तक
२६ अक्टू रात १०:५१ से ३१ अक्टू रात ०१:३१ तक
०२ नवम्बर सूर्योदय से सूर्योदय होने तक
०९ नवम्बर सायं ०६:१८ से सूर्योदय होने तक
११ नवम्बर दोपहर ०३:४४ से सूर्योदय होने तक
१७ नवम्बर रात १०:०७ से सूर्योदय होने तक
१८ नवम्बर रात ०८:४६ से सूर्योदय होने तक
२३ नवम्बर सूर्योदय से रात १०:४९ बजे तक
२६ नवम्बर रात ०५:२२ से २८ नवम्बर दिन ०८:०८ तक
०७ दिसम्बर सूर्योदय से रात ०३:३२ तक
०९ दिसम्बर सूर्योदय से रात १२:४३ बजे तक
१० दिसम्बर रात १०:१७ से सूर्योदय होने तक
१५ दिसम्बर दिन ०७:३२ से रात ०५:२१ बजे तक
१६ दिसम्बर सूर्योदय से रात ०३:४५ बजे तक
२४ दिसम्बर दोप ११:१९ से २५ दिसम्बर दोप ०२:१३ तक
२८ दिसम्बर रात ११:२० से सूर्योदय होने तक
२९ दिसम्बर रात ०२:१५ से सूर्योदय होने तक
०४ जनवरी ०९ सूर्योदय से १०:५४ बजे दिन तक
०६ जनवरी सूर्योदय से दिन में ०९:५२ तक
०७ जनवरी ०८:१९ से रात ०६:११ बजे तक
११ जनवरी सायं ०६:५४ से १२ जन. दोप. ०४:१७ तक
१३ जनवरी सूर्योदय से दोप. ०२:०३ बजे तक
२१ जनवरी सूर्योदय से रात ०८:३० बजे तक
२५ जनवरी सूर्योदय से सूर्योदय होने तक
२६ जनवरी दिन में ०८:२५ से सूर्योदय होने तक
०१ फरवरी सीयं ०४:५४ से सूर्योदय होने तक
०३ फरवरी दोप. ०३:४८ से सूर्योदय होने तक
०४ फरवरी दोप. ०२:२९ से सूर्योदय होने तक
०८ फरवरी सूर्योदय से रात ०३:२८ बजे तक
१४ फरवरी रात ०९:३४ से सूर्योदय होने तक
१६ फरवरी रात ०१:०५ से सूर्योदय होने तक
२२ फरवरी सूर्योदय से दोप. ०३:३४ बजे तक
२३ फरवरी सूर्योदय से सायं ०५:५५ बजे तक
२७ फरवरी रात १०:२५ से सूर्योदय होने तक
०१ मार्च रात १०:०२ से सूर्योदय होने तक
०३ मार्च सूर्योदय से रात ०८:२२ बजे तक
०४ मार्च सूर्योदय से सूर्योदय होने तक
०६ मार्च सायं ०४:०९ से सूर्योदय होने तक
०८ मार्च सूर्योदय से दोपहर १२:४१ बजे तक
१४ मार्च दिन ०७:०५ से सूर्योदय होने तक
१६ मार्च दिन ०९:३७ से सूर्योदय होने तक
२१ मार्च रात ११:३९ से सूर्योदय होने तक
२६ मार्च दिन ०५:४१ से सूर्योदय होने तक

संवत् २०६५ के सूर्यादि ग्रह राशि प्रवेश, सारिणी

सूर्य राशि प्रवेश

दिनांक	राशि	घंटा मिनट
१३-०४-०८	मेष	१८:२९
१४-०५-०८	वृषभ	१५:२३
१४-०६-०८	मिथुन	२२:०२
१६-०७-०८	कर्क	०८:५७
१६-०८-०८	सिंह	१७:२३
१६-०९-०८	कन्या	१७:२१
१६-१०-०८	तुला	२९:२०
१५-११-०८	वृश्चिक	२९:०८
१५-१२-०८	धनु	१९:४५
१४-०१-०९	मकर	०६:२५
१२-०२-०९	कुम्भ	१९:२२
१४-०३-०९	मीन	१६:१४

बुध राशि प्रवेश

दिनांक	राशि	घंटा मिनट
१५-०४-०८	मेष	०५:४९
२९-०४-०८	वृष	१७:४४
०६-०७-०८	मिथुन	१८:५३
२३-०७-०८	कर्क	२०:५०
०७-०८-०८	सिंह	११:२२
२४-०८-०८	कन्या	२७:३५
३१-१०-०८	तुला	२६:४७
१९-११-०८	वृश्चिक	१७:४६
०८-१२-०८	धनु	१९:२९
२८-१२-०८	मकर	२९:५३
२६-०१-०९	धनु	२१:१७
०७-०२-०९	मकर	२१:४३
०४-०३-०९	कुम्भ	२७:४०
२२-०३-०९	मीन	२१:३५

गुरू राशि प्रवेश

दिनांक	राशि	घंटा मिनट
०९-१२-०८	मकर	२३:४२

मंगल राशि प्रवेश

दिनांक	राशि	घंटा मिनट
२८-०४-०८	कर्क	१४:४५
२१-०६-०८	सिंह	१६:५७
०९-०८-०८	कन्या	२६:५४
२५-०९-०८	तुला	११:०१
०७-११-०८	वृश्चिक	२६:४७
१९-१२-०८	धनु	११:३३
२७-०१-०९	मकर	२६:२६
०७-०३-०९	कुम्भ	१६:३२

शुक्र राशि प्रवेश

दिनांक	राशि	घंटा मिनट
२५-०४-०८	मेष	२१:४२
२०-०५-०८	वृष	०६:४६
१३-०६-०८	मिथुन	१६:४०
०७-०७-०८	कर्क	२६:३६
०१-०८-०८	सिंह	१२:१९
२५-०८-०८	कन्या	२२:२७
१९-०९-०८	तुला	१०:१५
१३-१०-०८	वृश्चिक	२५:००
०७-११-०८	धनु	२०:३५
०२-१२-०८	मकर	२५:४४
२९-१२-०८	कुम्भ	०६:२४
२७-०१-०९	मीन	१२:०१

राहु राशि प्रवेश

दिनांक	राशि	घंटा मिनट
३०-०४-०८	मकर	०९:१२

केतु राशि प्रवेश

दिनांक	राशि	घंटा मिनट
३०-०४-०८	कर्क	०९:१२

शनि पूरे वर्ष सिंह राशि में रहेगा।

संवत् २०६५ के ग्रहों के वक्री-मार्गी समय

बुध

दिनांक	वक्री/मार्गी	घंटा मिनट
२६-०५-०८	वक्री	२१:१८
१९-०६-०८	मार्गी	२०:०१
२४-०९-०८	वक्री	१२:४८
१५-१०-०८	मार्गी	२५:३७
११-०१-०९	वक्री	२२:१५
०१-०२-०९	मार्गी	१२:४१

गुरू

दिनांक	वक्री/मार्गी	घंटा मिनट
०९-०५-०८	वक्री	१७:४२
०८-०९-०८	मार्गी	०९:४६

शुक्र

दिनांक	वक्री/मार्गी	घंटा मिनट
०६-०३-०९	वक्री	२२:४८
१७-०४-०९	मार्गी	२४:५४

शनि

दिनांक	वक्री/मार्गी	घंटा मिनट
०३-०५-०८	मार्गी	०८:३८
३१-१२-०८	वक्री	२३:३८

संवत् २०६५ के ग्रहों के उदय/अस्त

मंगल

दिनांक	उ/अ दिशा	घंटा मिनट
०९-१०-०८	अस्त	१०:५०
०९-०२-०९	उदय	१७:१०

बुध

दिनांक	उ/अ दिशा	घंटा मिनट
२५-०४-०८	उदय (पू.)	०७:४०
३०-०५-०८	अस्त (पू.)	०८:२६
१९-०६-०८	उदय (प.)	१२:५४
२०-०७-०८	अस्त (प.)	२५:५८
११-०८-०८	उदय (पू.)	१७:१६
२५-०९-०८	अस्त (पू.)	२०:०९
१२-१०-०८	उदय (प.)	१८:३९
०८-११-०८	अस्त (प.)	२९:११
१७-१२-०८	उदय (पू.)	०५:४१
१४-०१-०९	अस्त (पू.)	०९:०३
२७-०१-०९	उदय (प.)	१४:२८
१२-०३-०९	अस्त (प.)	२३:४५

गुरू

दिनांक	उ/अ दिशा	घंटा मिनट
१२-०१-०९	अस्त (पू.)	१७:५६
०८-०२-०९	उदय (पू.)	२८:०६

शुक्र

दिनांक	उ/अ दिशा	घंटा मिनट
०३-०५-०८	अस्त (पू.)	१९:०८
०४-०७-०८	उदय (प.)	२२:२६
२३-०३-०९	अस्त (प.)	२०:१९

शनि

दिनांक	उ/अ दिशा	घंटा मिनट
१६-०८-०८	अस्त (पू.)	१६:५२
१८-०९-०८	उदय (प.)	११:१९

ग्रहों के उदयास्त का समय भारत के २३° उत्तर अक्षांशीय स्थानों के आधार पर की गई है।

संवत् २०६५ तारा उदय एवं अस्त

	शुक्र तारा					गुरू तारा				
	पूर्व दिनांक	अस्त घं.मि.	पश्चिम दिनांक	उदय घ.मि.	पश्चिम दिनांक	अस्त घं.मि.	पश्चिम दिनांक	अस्त घं.मि.	पूर्व दिनांक	उदय घं.मि.
कोलकाता	०३:०५	१९:०८	०४:०७	२२:२६	२३:०३	२०:१९	१२:०१	१७:५६	०८:०२	२८:०६
जयपुर	२९:०४	०७:२७	०५:०७	२१:५६	२३:०३	३०:०२	१२:०१	१२:११	१०:०२	१०:१४
दिल्ली	२६:०४	२६:२३	०६:०७	०९:१९	२४:०३	०९:४१	१२:०१	०९:२४	१०:०२	२४:२१
चेन्नई	०९:०५	२३:०१	०३:०७	१५:१७	२२:०३	२०:४५	१२:०१	२४:४२	०६:०२	३०:१४
मुम्बई	०६:०५	१४:३२	०४:०७	०७:४३	२३:०३	११:४७	१२:०१	२१:२५	०८:०२	०७:५६
वाराणसी	३०:०४	२६:४१	०५:०७	१२:३३	२३:०३	२६:३३	१२:०१	१४:२९	०९:०२	२२:२५
हैदरावाद	०७:०५	१५:४४	०३:०७	२६:२१	२३:०३	०७:५०	१२:०१	२२:३७	०७:०२	२४:०६
बीकानेर	२७:०४	१७:३०	०६:०७	०६:०४	२४:०३	०८:४२	१२:०१	१०:११	१०:०२	२०:२३
बैंगलोर	०९:०५	२४:०८	०३:०७	१५:०४	२२:०३	२०:२८	१२:०१	२४:४४	०६:०२	२९:५२

निम्नलिखित कार्यों को गुरू व शुक्र (तारा) के अस्त पर कभी नहीं करना चाहिये

कुआं-तालब, बावड़ी, उद्यान-गृहादि के आरंभ एवं अवस्थान, व्रतारंभ व व्रतोद्यापन, विवाह, वधू प्रवेश, षोडशमहादान, सोमयाग, सप्तमी अष्टमी-नवमी को करिष्यमाण अष्टका श्राद्ध, प्रथम क्षोरकर्म, नवान्न, भक्षण, प्याऊ लगवाना, नवान्न श्रौतयज्ञ, प्रथम श्रावणी कर्म, वेद-उपनिषद् महानाम्नी व्रत, काम्यवृषोत्सर्ग, त्रिपिण्डी श्राद्ध, अनैमित्तिक शिशु संस्कार, देव प्रतिष्ठा, दीक्षा मन्त्रोपदेश, उपनयन, पाणिपोडन, मुण्डन, अपूर्व दृष्ट देवताओं और तीर्थों के दर्शन, सन्यास ग्रहण, अग्निहोत्रारंभ, चातुर्मास्य, राजदर्शन, राज्याभिषेक, सकामयात्रा, समावर्तन, कर्णवेध तथा दन्त-रत्नाभूषणादि कर्म।

हवन करने हेतु अग्नि वास जानने की विधि

शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से वर्तमान तिथि की गणना कर योग में एक जोड़ दें एवं रविवार से आरम्भ कर वार संख्या जोड़ दें तथा योगफल में चार से भाग दें यदि शेष शून्य बचे तो अग्नि पृथ्वी पर, एक बचे तो आकाश मण्डल में, दो बचे तो पाताल लोक में और यदि तीन शेष बचे तो पृथ्वी पर जानें। पृथ्वी पर अग्नि वास होनें पर ही हवन यज्ञ श्रेष्ठ फलदायक होता है।

नोट : होमादि कार्य गृह प्रवेश इत्यादि के हवन में ही अग्निवास का विचार करना चाहिए परन्तु विवाह, जन्मदिन, यात्रा, पुत्रोत्पत्ति एवं दुर्गा जी के यज्ञादि कार्य में अग्निवास का विचार नहीं करना चाहिए।

संवत् २०६५ दिनांक २८/१०/२००८ मंगलवार, दीपावली पूजन के मुहूर्त (लग्न)

लग्न	समय	लग्न	समय
तुला	रात ०४:५५ से प्रातः ०७:०८ तक	मेष	सायं ०४:१७ से सायं ०५:५८ तक
वृश्चिक	प्रातः ०७:०८ से दिन ०९:२४ तक	वृषभ	सायं ०५:५८ से रात ०७:५६ तक
धनु	दिन ०९:२४ से दिन ११:३० तक	मिथुन	रात ०७:५६ से रात १०:५६ तक
मकर	दिन ११:३० से दोपहर ०१:१३ तक	कर्क	रात १०:५६ से रात १२:३३ तक
कुंभ	दोपहर ०१:१३ से दोपहर ०२:४६ तक	सिंह	रात १२:३३ से रात ०२:४४ तक
मीन	दोपहर ०२:४४ से सायं ०४:१७ तक	कन्या	रात ०२:४४ से रात ०४:५५ तक

नोट : - दीपावली पूजन का मुहूर्त्त कोलकाता के समयानुसार दिया गया है। अन्य स्थानों के लिए कोलकाता के समय से अन्तर कर लग्नमान निकाल लेवें।

संवत् २०६५ सन् २००८-०९ के विविध मुहूर्त्त

प्रसूतिका स्नान मुहूर्त्त

अप्रैल	१०, १७, २०	सितम्बर	२, ४, ३०
मई	१५, २०, २५	अक्टूबर	२, १४, १९, २६
जून	०१, १२	नवम्बर	४, ११, २३, २५
जुलाई	१	दिसम्बर	२, ७
अगस्त	२१	फरवरी	२२

उपनयन (यज्ञोपवीत) मुहूर्त्त

अप्रैल	१५, १६, १७, २३, २५	फरवरी	०९, १०, ११, २६, २७
		मार्च	१३

गृहारम्भ (भूमि पूजन) मुहूर्त्त

अप्रैल	१०,११,१७,१८,२१, २३,२५,२८,३०	अगस्त	६,८,१३,१४,१८,२१,२२,२५	दिसम्बर	४,५,१२
		सितम्बर	१,४,१३	फरवरी	१३, १४, २०, २७, २८
मई	१, ३	अक्टूबर	२,४,६,१०,११,१५,१८, २९,३१		
जुलाई	५,९,१०,१२,१४,१६ १८,२३,२४,२५,२६	नवम्बर	३,५,८,१०,१५,२४,२८,२९	मार्च	४, १३

गृह प्रवेश मुहूर्त्त

अप्रैल	२३,२८,३०	फरवरी	१४, २७, २८
मई	१,३		

जीर्ण गृह प्रवेश मुहूर्त्त

जुलाई	२३, २४, २५	नवम्बर	५, ६, ८, १०, १५, २२, २४, २८
अगस्त	६, ८, १४	दिसम्बर	४, ५, ८, १२
अक्टूबर	१८, २५, २९, ३१		बाकी शुद्ध गृह प्रवेश में भी कर सकते हैं।

विपणी (व्यापार) मुहूर्त्त

अप्रैल	१०,११,१३,१७,१८,२०,२३,२८	नवम्बर	५,१०,१५,२२,२४,२८
मई	३, ७	दिसम्बर	७,१२
जुलाई	९,१०,१४,१८,२३,२४,२५	जनवरी	१६,१७,१८,२१,३१
अगस्त	६,७,१०,१४,२१,२२,२४,२५	फरवरी	१३,१४,२२,२७
सितम्बर	१,१०,११	मार्च	४,१३
अक्टूबर	४,१५,१८,१९,२५,२६,३१		

नामकरण मुहूर्त्त

अप्रैल	१०,११,१७, १८, २१, २३, २८, ३०	नवम्बर	१०, २४, २८
मई	१	दिसम्बर	४, ८
जुलाई	१०, १४, १८, २३	फरवरी	१३, १७
अगस्त	६, ७, १४, १८, २१, २२, २५, २७	मार्च	४
सितम्बर	१, ४, ११, १२		
अक्टूबर	२, १०, १५, २९, ३१		

चूड़ा मुहूर्त्त

वार - रविवार, मंगलवार, गुरूवार

नक्षत्र - अश्विनी, हस्त, चित्रा, स्वाती, विशाखा, अनुराधा, धनिष्ठा, रेवती

आवश्यक में

वार - शुक्रवार

नक्षत्र - रोहणी, उत्तराफाल्गुनी, उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद

जिस दिन भद्रा नहीं हो, किसी भी प्रकार के अशुभयोग न हों एवं बालक के माता व पिता के नाम राशि से चन्द्रबल ठीक बनता हो अर्थात् चन्द्रमा ४, ८, १२वें न हों उस दिन चूड़ा पहनना ठीक रहता है।

अभिजित मुहूर्त्त

दिनमान को आधा करके घंटा मिनट बनावें तथा इसे सूर्योदय काल में जोड़े वह समय मानक मध्याह्न काल होगा, इस मध्याह्न काल से मौलिक २४ मिनट पहले तथा २४ मिनट बाद का समय अभिजित मुहूर्त्त कहलाता है। बुधवार के दिन अभिजित मुहूर्त्त शुभ कार्य के लिए वर्जित है।

शुभ विवाह मुहूर्त

दिनांक	वार	माह	पक्ष	तिथि	रेखा	नक्षत्र	लग्न
१७-०४-०८	गुरू	चैत्र	शुक्ल	१२	८	उ. फा.	दि. लग्न ४, गोधूली
१८-०४-०८	शुक्र	चैत्र	शुक्ल	१३	८	हस्त	दि. लग्न ४, गो.१२ (चं-दा.)
२०-०४-०८	रवि	चैत्र	शुक्ल	१५	६	चित्रा	दि. लग्न ४, मीन (१२)
२७-०४-०८	रवि	वैशाख	कृष्ण	७	५	उत्तराषाढ़ा	गो., मीन (१२)
०८-०७-०८	मंगल	आषाढ़	शुक्ल	६	९	उ. फा.	गोधूली, मीन (१२)
०९-०७-०८	बुध	आषाढ़	शुक्ल	७	८	हस्त	गोधूली
११-०७-०८	शुक्र	आषाढ़	शुक्ल	९	१०	स्वाति	कन्या (दि.) गो. मीन, मेष
१०-११-०८	सोम	कार्तिक	शुक्ल	१२	७	रेवती	गो. कन्या (चं. श. दान)
२२-११-०८	शनि	मार्गशीर्ष	कृष्ण	१०	९	उ.फा./हस्त	गो. तुला (शुक्र राहु दान)
२३-११-०८	रवि	मार्गशीर्ष	कृष्ण	११	९	हस्त/चित्रा	धनु. मीन, गो. तुला (शु.रा.दान)
२९-११-०८	शनि	मार्गशीर्ष	शुक्ल	२	७	मूल	मीन, कन्या (शनि दान)
०१-१२-०८	सोम	मार्गशीर्ष	शुक्ल	४	६	उत्तराषाढ़ा	मिथुन
०२-१२-०८	मंगल	मार्गशीर्ष	शुक्ल	४	७	उत्तराषाढ़ा	धनु, मीन, गोधूली
०७-१२-०८	रवि	मार्गशीर्ष	शुक्ल	९	८	उ.भाद्र.	धनु, गोधूली
११-१२-०८	गुरू	मार्गशीर्ष	शुक्ल	१४	९	रोहिणी	कन्या (शनि दान)
१२-१२-०८	शुक्र	मार्गशीर्ष	शुक्ल	१५	६	मृगशिरा	कन्या (शनि दान)
१२-०२-०९	गुरू	फाल्गुन	कृष्ण	३	१०	उ. फा.	गौधूली, वृश्चिक, धनु
१३-०२-०९	शुक्र	फाल्गुन	कृष्ण	४	८	हस्त	वृषभ (दिवा), गोधूली
१४-०२-०९	शनि	फाल्गुन	कृष्ण	५	७	स्वाती	वृश्चिक, धनु
१६-०२-०९	सोम	फाल्गुन	कृष्ण	७	८	अनुराधा	धनु
१७-०२-०९	मंगल	फाल्गुन	कृष्ण	८	८	अनुराधा	मीन, मेष, वृष (दि.) गौधूली
१९-०२-०९	गुरू	फाल्गुन	कृष्ण	१०	८	मूल	वृश्चिक
२६-०२-०९	गुरू	फाल्गुन	शुक्ल	१	१०	उ. भाद्र.	वृश्चिक, धनु
२७-०२-०९	शुक्र	फाल्गुन	शुक्ल	२	७	रेवती	वृश्चिक, धनु
२८-०२-०९	शनि	फाल्गुन	शुक्ल	३	७	रेवती	दिवा लग्न, वृष, मिथुन

विवाह के ग्यारह नक्षत्र

रोहिणी • उत्तराफाल्गुनी • उत्तराभाद्रपद • उत्तराषाढ़ा • रेवती • मूल
स्वाती • मृगशिरा • मघा • अनुराधा • हस्त

भारत के प्रमुख नगरों में चैत्र नवरात्र कब एवं संवत् का राजा कौन?

नगर	नवरात्र दिनांक	राजा	सूर्योदय	नगर	नवरात्र दिनांक	राजा	सूर्योदय
अमृतसर	०६-०४	सूर्य	०६-१६	कोलकाता	०६-०४	चन्द्र	०५-२७
अलवर	०६-०४	सूर्य	०६-११	गुवाहाटी	०७-०४	चन्द्र	०५-१२
उज्जैन	०६-०४	सूर्य	०६-१७	कानपुर	०६-०४	चन्द्र	०५-५९
उदयपुर	०६-०४	सूर्य	०६-२५	गाजियाबाद	०६-०४	चन्द्र	०६-०८
श्रीगंगानगर	०६-०४	सूर्य	०६-२२	चण्डीगढ़	०६-०४	चन्द्र	०६-०८
जयपुर	०६-०४	सूर्य	०६-१६	जबलपुर	०६-०४	चन्द्र	०६-०१
जोधपुर	०६-०४	सूर्य	०६-२७	दिल्ली	०६-०४	चन्द्र	०६-०८
बड़ोदरा	०६-०४	सूर्य	०६-२८	दार्जिलिंग	०६-०४	चन्द्र	०५-२६
बीकानेर	०६-०४	सूर्य	०६-२५	नागपुर	०६-०४	चन्द्र	०६-०६
बैंगलोर	०६-०४	सूर्य	०६-१६	पटना	०६-०४	चन्द्र	०५-३९
भिवानी	०६-०४	सूर्य	०६-१२	पुरुलिया	०६-०४	चन्द्र	०५-३५
भोपाल	०६-०४	सूर्य	०६-१०	भुवनेश्वर	०६-०४	चन्द्र	०५-३९
मुम्बई	०६-०४	सूर्य	०६-३१	मिर्जापुर	०६-०४	चन्द्र	०५-५०
रोहतक	०६-०४	सूर्य	०६-११	मथुरा	०६-०४	चन्द्र	०६-०८
सुरत	०६-०४	सूर्य	०६-३१	मद्रास	०६-०४	चन्द्र	०६-०५
सीकर	०६-०४	सूर्य	०६-१७	रायपुर	०६-०४	चन्द्र	०५-५६
हिसार	०६-०४	सूर्य	०६-१५	लखनऊ	०६-०४	चन्द्र	०५-५५
हैदराबाद	०६-०४	सूर्य	०६-११	वाराणसी	०६-०४	चन्द्र	०५-४८
अयोध्या	०६-०४	चन्द्र	०५-४९	वि. पट्टनम्	०६-०४	चन्द्र	०५-५०
आगरा	०६-०४	चन्द्र	०६-०७	शिमला	०६-०४	चन्द्र	०६-०८
इलाहाबाद	०६-०४	चन्द्र	०५-५२	सहारनपुर	०६-०४	चन्द्र	०६-०७
कुचविहार	०६-०४	चन्द्र	०५-२१	हरिद्वार	०६-०४	चन्द्र	०६-०४
ऋषिकेश	०६-०४	चन्द्र	०६-०२	हल्द्वानी	०६-०४	चन्द्र	०६-००

नोट : नवरात्र में घट स्थापन (कलश पूजन), दुर्गास्थापनादि वृष लग्न एवं अभिजित मुहूर्त्त में किया जाये तो सर्वश्रेष्ठ होगा। अपनी अपनी जगह के अनुसार कृपया किसी अच्छे ज्योतिषी से वृष लग्न एवं अभिजित मुहूर्त्त का समय ले लेवें।

संदिग्ध व्रत-पर्व-व्यवस्था सं. २०६५

यदि इस स्तम्भ में चर्चित या अन्य किसी व्रत-पर्व की तिथि के बारे में किसी को संदेह/शंका हो तो संपादक (पंचांगकर्त्ता) से स्पष्टीकरण मांग सकते हैं।

१. **नव संवत्सरारम्भ :** जहाँ सूर्योदय प्रातः ०६:०९ बजे के बाद होगा वहाँ संवत्सर प्रारंभ ०६ अप्रैल रविवार को होगा। जहाँ सूर्योदय प्रातः ०६:०९ बजे से पहले होगा वहाँ संवत्सर प्रारंभ ०७ अप्रैल सोमवार को होगा।

२. **नवरात्रारम्भ :** धर्म सिंधु व निर्णय सिंधू के अनुसार सूर्योदय के पश्चात् चैत्र शुक्ल प्रतिपदा एक मुहूर्त्त या कम से कम दो घड़ी यानि ४८ मिनट तक होनी अति आवश्यक है तभी आप नवरात्र द्वितीया के दिन कर सकते हैं अन्यथा नवरात्र पहले दिन अमावस्या युक्त प्रतिपदा में प्रारंभ करने का शास्त्रोक्त प्रमाण है। अतः जहाँ पर सूर्योदय लगभग ५ बजकर २० मिनट के बाद होगा वहाँ पर नवरात्र स्थापन ०६ अप्रैल २००८ को ही किया जायेगा।

३. **उपाकर्म :** (ऋक्, शुक्ल-कृष्ण-यजुर्वेदीय) धर्म सिंधु एवं निर्णय सिंधू के अनुसार ग्रहण, संक्रान्ति से युक्त दिन में उपाकर्म नहीं करना चाहिए। ग्रहण चूंकि अर्द्धरात्रि के बाद घटित हो रहा है अतः ग्रहण का दोष नहीं होगा। परन्तु संक्रान्ति का दोष यहाँ विद्यमान होने के कारण इस दिन उपाकर्म न करके प्रमाण के अनुसार हस्तयुक्त श्रावण शुक्ल पंचमी में यानि ६ अगस्त २००८ के दिन ही करना चाहिए।

४. **रक्षाबन्धन :** शास्त्रोक्त प्रमाण के अनुसार रक्षाबंधन श्रावण की पूर्णिमा में अपराह्न के समय किया जाता है। भद्रा रहती है जब तक रक्षाबंधन वर्जित माना गया है। अतः १६ अगस्त २००८ को भद्रा दोपहर ०२:३१ के पश्चात् सायं ०४ बजे तक रक्षाबन्धन भद्रा रहित समय में कर सकते हैं। १६ अगस्त २००८ को भद्रा पुच्छ काल दिन के १०:०९ बजे से लेकर दोपहर ११:२१ बजे तक रहेगा। अतः इस समय शुभ कार्य कर सकते हैं।

५. **होलिका दहन :** शास्त्रोक्त वाक्यानुसार होलिका फाल्गुन पूर्णिमा (प्रदोष व्यापिनी) में दहन करना चाहिए। भद्रा में होलिका दहन सर्वथा निषिद्ध है। ११ मार्च २००९ को पूर्णिमा प्रदोष काल को स्पर्श नहीं करती है तथा १० मार्च २००९ को भद्रा निशाकाल से पूर्व ही रात्रि के ०९:०८ बजे समाप्त हो जाता है। अतः होलिका दहन १० मार्च २००९ को रात्रि ०९:०८ बजे के पश्चात् कर सकते हैं।

दिव्य धारा स्त्रोत्र

पाताल गंगैव कृष्णवेणी, वरूणामोक्ष दायिनीम्। ज्ञान गंगैव कपलिधारा, साधका सिद्धिदायिनीम्।।

दक्षीण भारत में मल्लिकार्जुन, श्री शैल क्षेत्र में पाताल गंगा (कृष्णवेणी), काशी क्षेत्र में करूणा, ओंकारेश्वर में नर्मदा तट से संयुक्त कपिलधारा साधकों को अष्ट सिद्धि प्रदान करती हैं।

दिव्य धारा सहस्त्राणि, प्रवहन्ति चतुर्दिके। पवित्रं भारतवर्षे, तीर्थ भावेन संस्थिता।।

भारत वर्ष के चारों दिशाओं में सहस्त्रों दिव्य धाराएँ बहती है इसीलिये यह पूरा देश ही पवित्र तीर्थ भूमि है।

संवत् २०६५ सन् २००८-२००९ ईस्वीय मुख्य पर्व

अप्रेल २००८

वासन्त नवरात्र, नवसंवत्सर प्रारंभ	रविवार ०६
(जहाँ पर सूर्यो. ०६:०९ के बाद हो)	
(जहाँ पर सूर्यो. ०५:२० से पहले हो)	सोमवार ०७
गणगौर व्रत, सौभाग्य तीज	मंगलवार ०८
दुर्गाष्टमी व्रत	रविवार १३
श्री रामनवमी व्रत स्मार्तों का	रविवार १३
श्री रामनवमी व्रत वैष्णवों का	सोमवार १४
कामदा एकादशी व्रत	बुधवार १६
महावीर जयंती	शुक्रवार १८
हनुमान जयंती व पूर्णिमा (चैत्र)	रविवार २०

मई २००८

वरुथिनी एकादशी व्रत (स्मार्तों का)	गुरूवार ०१
वरुथिनी एकादशी व्रत (वैष्णवों का)	शुक्रवार ०२
अक्षय तृतीय व परशुराम जयंती	बुधवार ०७
आद्य शंकराचार्य जयंती	शुक्रवार ०९
मोहिनी एकादशी व्रत	गुरूवार १५
बुद्ध पूर्णिमा	मंगलवार २०
अचला एकादशी व्रत	शनिवार ३१

जून २००८

गंगा दशहरा	शुक्रवार १३
निर्जला (भीमसेनी) एकादशी व्रत	शनिवार १४
ज्येष्ठ की पूर्णिमा	बुधवार १८
योगिनी एकादशी व्रत	रविवार २९

जुलाई २००८

गुप्त नवरात्र प्रारंभ	गुरूवार ०३
जगन्नाथ यात्रा (पुरी) व्रत	शुक्रवार ०४
हरिशयनी एकादशी व्रत (स्मार्त)	रविवार १३
हरिशयनी एकादशी व्रत (वैष्णव)	सोमवार १४
गुरू पूर्णिमा जयंती	शुक्रवार १८

अगस्त २००८

सिंधारा (बहन बेटियों का)	रविवार ०३
पुत्रदा एकादशी व्रत	मंगलवार १२
रक्षा बन्धन	शनिवार १६
बहुओं का सिंधारा	सोमवार १८
कृष्ण जन्माष्टमी व्रत (स्मार्त)	शनिवार २३
कृष्ण जन्माष्टमी व्रत (वैष्णवों)	रविवार २४
जया एकादशी व्रत	बुधवार २७
भादी अमावस्या (राणी सती मेला)	शनिवार ३०

सितम्बर २००८

ऋषि पंचमी	गुरूवार ०४
रामदेवरा मेला (राजस्थान)	बुधवार १०
अनन्त चतुर्दशी व्रत	रविवार १४
महालया प्रारंभ	मंगलवार १६
विश्वकर्मा पूजन	बुधवार १७
इन्दिरा एकादशी व्रत	गुरूवार २५
शारदीय नवरात्रारंभ	मंगलवार ३०

अक्टूबर २००८

विजयादशमी (दशहरा)	गुरूवार ०९
पापांकुशा एकादशी व्रत	शनिवार ११
लक्खी पूजा (शरद पूर्णिमा)	मंगलवार १४
करवा चौथ	शुक्रवार १७
रम्भा एकादशी व्रत	शुक्रवार २४
धनतेरस (धन्वन्तरी जयंती)	रविवार २६
रूप चतुर्दशी व्रत	सोमवार २७
दीपावली (लक्ष्मी गणेश पूजन)	मंगलवार २८
गोवर्धन पूजा	बुधवार २९
भैयादूज (यम द्वितीया)	गुरूवार ३०

नवम्बर २००८

सूर्य षष्ठी (डाला) व्रत	मंगलवार ०४
जगद्धात्री पूजा, आंवला नवमी	शुक्रवार ०७
प्रबोधिनी एकादशी (तुलसी विवाह)	रविवार ०९
कार्तिक स्नान (पूर्णिमा) समाप्त	गुरूवार १३
श्री काल भैरवाष्टमी	बुधवार १९
उत्पन्ना एकादशी व्रत	रविवार २३

दिसम्बर २००८

श्री राम विवाहोत्सव	बुधवार ०३
मौनी एकादशी (गीता जयंती)	मंगलवार ०९
सूर्य उत्तरायण में	रविवार २१
सफला एकादशी व्रत	मंगलवार २३
बड़ा दिन (क्रिसमस)	गुरूवार २५

जनवरी २००९

पुत्रदा एकादशी व्रत	बुधवार ०७
मकर संक्रान्ति (पुण्यकाल), माही चौथ	बुधवार १४
गणतंत्र दिवस	सोमवार २६
गुप्त नवरात्रारम्भ (माघ)	मंगलवार २७
बसन्त पंचमी (सरस्वती पूजा)	शनिवार ३१

फरवरी २००९

जया एकादशी व्रत (स्मार्त)	गुरूवार ०५
जया एकादशी व्रत (वैष्णव)	शुक्रवार ०६
विजया एकादशी व्रत	शुक्रवार २०
महाशिवरात्री व्रत	सोमवार २३
फूलरिया दूज	गुरूवार २६

मार्च २००९

होलाष्टक शुरू	बुधवार ०४
आमलकी एकादशी व्रत	शनिवार ०७
गोविन्द द्वादशी	रविवार ०८
होलिका दहन (पूर्णिमा)	मंगलवार १०
धुलन्डी (बसन्तोत्सव)	बुधवार ११
शीतलाष्टमी व्रत	गुरूवार १९
पापमोचिनी एकादशी व्रत	रविवार २२

सं० २०६५ चैत्र शुक्ल पक्ष

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक ०६ अप्रैल से २० अप्रैल २००८ तक** — **बसंत ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
०६-०४	अमावस दि. ०९:२६/	रवि	रेवती रा. ०९:०९	मेष रा. ०९:०९से	वासंत नवरात्रारंभ। घट स्थापन दिन ०९:२६ के पश्चात।
०७-०४	एकम्/दूज ०६:०९/ रा. ०२:४३	सोम	अश्विनी सां ०६:३२	मेष दिन/रात	चैती चांद (सिंधी)। सिंधारा दूज। चन्द्र दर्शन।
०८-०४	तीज रा. ११:१९	मंगल	भरणी दो. ०३:५३	वृषभ रा. ०९:१५से	गणगौर (गवरजा) व्रत। सौभाग्य तृतीया। मत्स्य जयंती।
०९-०४	चौथ रा. ०८:०६	बुध	कृत्तिका दो. ०१:२३	वृषभ दिन/रात	भद्रा दिन ०९:४१ से रात ०८:०६ तक। वैनायिकी श्री गणेश चौथ व्रत।
१०-०४	पांचम् सां. ०५:११	गुरू	रोहिणी दो. ११:०८	मिथुन रा. १०:०९से	श्री पंचमी। श्री राम राज्य महोत्सव (कर्क लग्न में)।
११-०४	छठ दो. ०२:०३	शुक्र	मृगशिरा दि. ०९:०८	मिथुन दिन/रात	श्री स्कन्द, अशोका, सूर्य षष्ठी।
१२-०४	सातम् दो. १२:४७	शनि	आर्द्रा दि. ०७:५८	कर्क रा. ०१:२१से	भद्रा दोप. १२-४७ से रात १२:०५ तक। वासंती दुर्गा पूजन प्रारंभ। औली (जैन) प्रारंभ।
१३-०४	आठम् दो. ११:२५	रवि	पुनर्वसू दि. ०७:१३	कर्क दिन/रात	श्री दुर्गाष्टमी, महाष्टमी । श्री रामनवमी व्रत स्मार्तों का। मीन (खर) मास समाप्त।
१४-०४	नवमी दि. १०:३९	सोम	पुष्य दि. ०७:०२	कर्क दिन/रात	श्री रामनवमी व्रत वैष्णवों का। स्वामी नारायण जयंती। तारा जयंती। अम्बडेकर जयंती।
१५-०४	दशमी दि. १०:२६	मंगल	आश्लेषा दि. ०७:२५	सिंह दि. ०७:२५से	भद्रा रात १०:३५ से प्रारंभ। नवरात्र व्रत का पारण। धर्मराज दशमी।
१६-०४	ग्यारस दि. १०:४४	बुध	मघा दि. ०८:१८	सिंह दिन/रात	भद्रा दि. १०:४४ तक। कामदा एकादशी व्रत सभी का।
१७-०४	बारस दि. ११:३०	गुरू	पूर्वाफाल्गुनी दि. ०९:३९	कन्या सां. ०४:३३से	श्री विष्णु दमनकोत्सव। मदन द्वादशी। प्रदोष व्रत। अनंग त्रयोदशी व्रत।
१८-०४	तेरस दो. १२:३९	शुक्र	उत्तराफाल्गुनी दो. ११:२३	कन्या दिन/रात	श्री महावीर जयंती (जैन)। दमनक चतुर्दशी।
१९-०४	चौदस दो. ०२:०८	शनि	हस्त दो. ०१:२६	तुला रा. ०२:३४से	भद्रा दोप. ०२:०८ से रात ०३:०१ तक। व्रत की पूर्णिमा। अन्वाधान। सूर्यसायन वृष में।
२०-०४	पूनम दो. ०३:५५	रवि	चित्रा दो. ०३:४७	तुला दिन/रात	स्नान दानादि की पूर्णिमा। श्री हनुमान जयंती। औली (जैन) समाप्त। वैशाख स्नान प्रारंभ।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ वैशाख कृष्ण पक्ष

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक २१ अप्रैल से ०५ मई २००८ तक** — **ग्रीष्म ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२१-०४	एकम् सा. ०५:५८	सोम	स्वाति सा. ०६:२२	तुला दिन/रात	व्यतिपात रात ०४:३७ से प्रारंभ।
२२-०४	दूज रा. ०८:१५	मंगल	विशाखा रा. ०९:१२	वृश्चिक दो. ०२:२८से	श्री कच्छपावतार।
२३-०४	तीज रा. १०:४०	बुध	अनुराधा रा. १२:०८	वृश्चिक दिन/रात	भद्रा दिन में ०९:२७ से रात १०:४० तक। व्यतिपात दिन में ०५:२७ तक।
२४-०४	चौथ रा. ०१:०७	गुरू	ज्येष्ठा रा. ०३:०७	धनु रा. ०३:०७से	संकष्टी श्री गणेश चौथ व्रत।★
२५-०४	पांचम् रा. ०३:२८	शुक्र	मूला दिन/रात	धनु दिन/रात	
२६-०४	छठ दिन/रात	शनि	मूला प्रा. ०५:५८	धनु दिन/रात	
२७-०४	छठ प्रा. ०५:३२	रवि	पूर्वाषाढ़ा दि. ०८:३४	मकर दो. ०३:०९से	भद्रा प्रा. ०५:३२ से सायं ०६:२० तक। तिथि वृद्धि।
२८-०४	सातम् दि. ०७:०८	सोम	उत्तराषाढ़ा दि. १०:४१	मकर दिन/रात	श्री कालाष्टमी।
२९-०४	आठम् दि. ०८:०५	मंगल	श्रवण दो. १२:०९	कुम्भ रा. १२:३६से	पंचक रात १२:३६ से प्रारंभ। श्री शीतलाष्टमी व्रत। बुढ़ा बासोड़ा।
३०-०४	नवमी दि. ०८:१७	बुध	धनिष्ठा दो. १२:५२	कुम्भ दिन/रात	पंचक दिन/रात। भद्रा रात ०८:०४ से प्रारंभ।
०१-०५	दशमी दि. ०७:३७	गुरू	शतभिषा दो. १२:४४	कुम्भ दिन/रात	भद्रा दिन के ०७:३७ तक। पंचक दिन/रात। वरूथिनी एकादशी व्रत स्मार्त्तों का। श्रमिक दिवस।
०२-०५	ग्यारस/ बारस ०६:०७/ रा. ०३:५१	शुक्र	पूर्वाभाद्रपद दो. ११:४७	मीन दि. ०६:०६से	वरूथिनी एकादशी व्रत वैष्णवों का। पंचक। तिथि क्षय। बल्लभाचार्य जयंती। **शुक्र का तारा ०३-०५, रात ०७:०८ से लगेगा**
०३-०५	तेरस रा. १२:५७	शनि	उत्तराभाद्रपद दि. १०:०७	मीन दिन/रात	भद्रा रात १२:५७ से। पंचक दिन/रात। शनि प्रदोष व्रत।
०४-०५	चौदस रा. ०९:३२	रवि	रेवती दि. ०७:४९	मेष दि. ०७:४९से	पंचक दिन में ०७:४९ तक। भद्रा दिन में ११:१८ बजे तक। मास शिवरात्रि व्रत।
०५-०५	अमावस सां. ०५:४८	सोम	अश्विनी/भरणी ०५:०४/ रा. ०२:०५	मेष दिन/रात	स्नान-दानादि की सोमवती अमावस्या। अन्वाधान।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ वैशाख शुक्ल पक्ष

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक ०६ मई से २० मई २००८ तक** — **ग्रीष्म ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
०६-०५	एकम् दो. ०१:५६	मंगल	कृत्तिका रा. ११:०३	वृषभ दि. ०७:२०से	चन्द्र दर्शन।
०७-०५	दूज दि. १०:०८	बुध	रोहिणी रा. ०८:०८	वृषभ दिन/रात	**अक्षय तृतीया।** परशुराम जयंती। **श्री बद्री केदार यात्रा प्रारंभ।**
०८-०५	तीज/चौथ ०६:३४/ रा. ०३:२५	गुरू	मृगशिरा सा. ०५:३५	मिथुन दि. ०६:४९से	भद्रा सायं ०४:५६ से रात ०३:२५ तक। कल्पादि। त्रेतायुगादि। टैगोर जयंती। तिथि क्षय। **वैनायिकी श्री गणेश चौथ व्रत।**
०९-०५	पांचम् रा. १२:४८	शुक्र	आर्द्रा सा. ०५:३०	मिथुन दिन/रात	**श्री आद्यशंकराचार्य जयंती।** श्री सुरदास जयंती।
१०-०५	छठ रा. १०:५१	शनि	पुनर्वसू दो. ०२:०२	कर्क दि. ०८:२१से	श्री रामानुजाचार्य जयंती। **चन्दन षष्ठी (बंगाल)।**
११-०५	सातम् रा. ०९:३७	रवि	पुष्य दो. ०१:१६	कर्क दिन/रात	भद्रा रात ०९:३७ से प्रारंभ। गंगा सप्तमी। सूर्य सप्तमी।
१२-०५	आठम् रा. ०९:०८	सोम	आश्लेषा दो. ०१:१५	सिंह दो. ०१:१५से	भद्रा दिन ०९:१७ तक। श्री दुर्गाष्टमी व्रत। बगलामुखी जयंती।
१३-०५	नवमी रा. ०९:१९	मंगल	मघा दो. ०१:५४	सिंह दिन/रात	**सीता नवमी। जानकी जयंती।**
१४-०५	दशमी रा. १०:०८	बुध	पूर्वाफाल्गुनी दो. ०३:१२	कन्या रा. ०९:३८से	
१५-०५	ग्यारस रा. ११:२७	गुरू	उत्तराफाल्गुनी सा. ०५:०१	कन्या दिन/रात	भद्रा प्रारंभ १०:४४ से रात ११:२७ तक। **मोहिनी एकादशी व्रत सभी का।**
१६-०५	बारस रा. ०१:१०	शुक्र	हस्त रा. ०७:१५	कन्या दिन/रात	परशुराम द्वादशी। रूक्मिणी द्वादशी। मधुसूदन पूजा।
१७-०५	तेरस रा. ०३:०९	शनि	चित्रा रा. ०९:४६	तुला दि. ०८:३०से	शनि प्रदोष व्रत। व्यतिपात ११दिन में ०९:४९ से प्रारंभ।
१८-०५	चौदस दिन/रात	रवि	स्वाति रा. १२:३०	तुला दिन/रात	**श्री नृसिंह चतुर्दशी व्रत।** छिन्नमस्ता जयंती। व्यतीपात दिन में १०:२९ तक।
१९-०५	चौदस दि. ०५:२२	सोम	विशाखा रा. ०३:२३	वृश्चिक रा. ०८:४०से	भद्रा प्रातः ०५:२२ से सायं ०६:३१ तक। तिथि वृद्धि। पूर्णिमा का व्रत। कूर्मावतार।
२०-०५	पूनम दि. ०७:४१	मंगल	अनुराधा दिन/रात	वृश्चिक दिन/रात	स्नानादि की पूर्णिमा। **बुद्ध पूर्णिमा।** **वैशाख स्नान समाप्त।**

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक २१ मई से ०३ जून २००८ तक** — **ग्रीष्म ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२१-०५	एकम् दि. १०:०५	बुध	अनुराधा दि. ०६:१९	वृश्चिक दिन/रात	देवर्षि नारद जयंती।
२२-०५	दूज दि. १२:२८	गुरू	ज्येष्ठा दि. ०९:१७	धनु दि. ०९:१७से	भद्रा रात ०१:३८ से प्रारंभ। माता आनंदमयी जयंती।
२३-०५	तीज दो. ०२:४५	शुक्र	मूला दो. १२:०८	धनु दिन/रात	भद्रा दोपहर ०२:४५ तक। **संकष्टी श्री गणेश चौथ व्रत।★**
२४-०५	चौथ सा. ०४:५०	शनि	पूर्वाषाढ़ा दो. ०२:४९	मकर दि. ०९:२८से	
२५-०५	पांचम् सा. ०६:३४	रवि	उत्तराषाढ़ा सा. ०५:१२	मकर दिन/रात	
२६-०५	छठ सा. ०७:४९	सोम	श्रवण सा. ०७:०८	मकर दिन/रात	भद्रा प्रारंभ सायं ०७:४९ से।
२७-०५	सातम् रा. ०८:२४	मंगल	धनिष्ठा रा. ०८:२६	कुम्भ दि. ०७:४८से	भद्रा समाप्त दिन ०८:१२ बजे। श्री जवाहरलाल नेहरू जयंती। पंचक दिन में ०७:४८ से प्रारंभ।
२८-०५	आठम् रा. ०८:१७	बुध	शतभिषा रा. ०९:०२	कुम्भ दिन/रात	पंचक। कालाष्टमी। **शीतलाष्टमी।**
२९-०५	नवमी सा. ०७:२१	गुरू	पूर्वाभाद्रपद रा. ०८:४९	मीन दो. ०२:४९से	पंचक।
३०-०५	दशमी सा. ०५:३८	शुक्र	उत्तराभाद्रपद रा. ०७:४८	मीन दिन/रात	पंचक। भद्रा दिन में ०६:३६ से सायं ०५:३८ तक।
३१-०५	ग्यारस दो. ०३:१२	शनि	रेवती सा. ०६:०२	मेष सा. ०६:०२से	पंचक सायं ०६:०२ तक। **अचला एकादशी व्रत सभी का।** भद्रकाली एकादशी (पंजाब)।
०१-०६	बारस दो. १२:०८	रवि	अश्विनी दो. ०३:३९	मेष दिन/रात	प्रदोष व्रत। **वट सावित्री व्रत प्रारंभ।**
०२-०६	तेरस/ चौदस ०८:३७/ रा. ०४:४८	सोम	भरणी दो. १२:५१	वृषभ सा. ०६:०८से	भद्रा दिन ०८:३७ से सायं ०६:४४ तक। तिथि क्षय। मास शिवरात्रि व्रत। **वट सावित्री व्रत का द्वितीय संयम।**
०३-०६	अमावस रा. १२:५२	मंगल	कृतिका दि. ०९:५०	वृषभ दिन/रात	स्नानादि की भौमवती अमावस्या। **वट सावित्री व्रत।** अन्वाधान। **शनि जंयती।**

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक ०४ जून से १८ जून २००८ तक** — **ग्रीष्म ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
०४-०६	एकम् रा. ०९:०१	बुध	रोहिणी/ मृगशिरा ०६:४५/ रा. ०३:४७	मिथुन सा. ०५:१५से	चन्द्र दर्शन। गंगा दशहरा व्रतारंभ।
०५-०६	दूज सा. ०५:२६	गुरू	आर्द्रा रा. ०१:०९	मिथुन दिन/रात	सोपपदा द्वितीया। रंभा तीज व्रत।
०६-०६	तीज दो. ०२:१६	शुक्र	पुनर्वसू रा. ११:०१	कर्क सां. ०५:३१से	भद्रा रात १२:५४ तक। राणा प्रताप जंयती।
०७-०६	चौथ दो. ११:४२	शनि	पुष्य रा. ०९:३१	कर्क दिन/रात	भद्रा दोपहर ११:४२ तक। वैनायिकी श्री गणेश चौथ व्रत। गुरू अर्जुनदेव वलिदान दिवस।
०८-०६	पांचम् दि. ०९:४९	रवि	आश्लेषा रा. ०८:४६	सिंह रा. ०८:४७से	श्रुति (जैन) पंचमी। स्कन्द षष्ठी।
०९-०६	छठ दि. ०८:४३	सोम	मघा रा. ०८:४७	सिंह दिन/रात	विंध्यवासिनी पूजा। अरण्य षष्ठी। जामाई षष्ठी (बंगाल)। रानी लक्ष्मीबाई जयंती।
१०-०६	सातम् दि. ०८:२५	मंगल	पूर्वाफाल्गुनी रा. ०९:३५	कन्या रा. ०३:५५से	भद्रा ०८:२५ से सायं ०८:३३ तक। वटुक भैरव जयंती। आज से सूर्य दक्षिणायन।
११-०६	आठम् दि. ०८:५२	बुध	उत्तराफाल्गनी रा. ११:०५	कन्या दिन/रात	श्री दुर्गाष्टमी व्रत। धूमावती जयंती। व्यतीपात दोपहर ०४:१३ से प्रारंभ।
१२-०६	नवमी दि. ०९:५९	गुरू	हस्त रा. ०१:०९	कन्या दिन/रात	व्यतीपात दोपहर ०४:१६ तक।
१३-०६	दशमी दो. ११:३९	शुक्र	चित्रा रा. ०३:४०	तुला दो. ०२:२३से	भद्रा रात १२:३८ से प्रारंभ। श्री गंगा दशहरा। श्री रामेश्वर प्रतिष्ठा दिवस।
१४-०६	ग्यारस दो. ०१:४२	शनि	स्वाती दिन/रात	तुला दिन/रात	भद्रा दोपहर ०१:४२ तक। निर्जला (भीमसेनी) एकादशी व्रत सभी का।
१५-०६	बारस दो. ०३:५८	रवि	स्वाति दि. ०६:२८	वृश्चिक रा. ०२:४०से	चम्पक द्वादशी। प्रदोष व्रत।
१६-०६	तेरस सा. ०६:२१	सोम	विशाखा दि. ०९:२३	वृश्चिक दिन/रात	वट सावित्री व्रतारंभ (दाक्षिणात्यों का)।
१७-०६	चौदस रा. ०८:४३	मंगल	अनुराधा दो. १२:२१	वृश्चिक दिन/रात	भद्रा रात ०८:४३ से प्रारंभ। वट सावित्री व्रत का दूसरा संयम।
१८-०६	पूनम रा. ११:००	बुध	ज्येष्ठा दो. ०३:१५	धनु दो. ०३:१५ से	भद्रा दिन में ०९:५३ तक। कबीर जयंती। स्नानदानादि की पूर्णिमा। अन्वाधान। ज्वालामुखी योग रात ११:०० से प्रारंभ। वट सावित्री व्रत।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ आषाढ़ कृष्ण पक्ष

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक १९ जून से ०३ जूलाई २००८ तक** — **वर्षा ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१९-०६	एकम् रा. ०१:०८	गुरू	मूला सा. ०६:०१	धनु दिन/रात	इष्टि, गुरू गोविन्द सिंह जन्म दिवस। ज्वालामुखी योग सायं ०६:०१ तक।
२०-०६	दूज रा. ०३:०१	शुक्र	पूर्वाषाढ़ा रा. ०८:३५	मकर रा. ०३:१२से	
२१-०६	तीज रा. ०४:३७	शनि	उत्तराषाढ़ा रा. १०:५५	मकर दिन/रात	भद्रा दोप. ०३:५२ से रात ०४:३७ तक। अम्बूवाची काल प्रारंभ रात ०९:४३से।
२२-०६	चौथ दिन/रात	रवि	श्रवण रा. १२:४७	मकर दिन/रात	संकष्टी श्री गणेश चौथ व्रत।★
२३-०६	चौथ दि. ०५:४९	सोम	धनिष्ठा रा. ०२:१५	कुम्भ दो. ०१:३६से	पंचक दोप. ०१:३६ से प्रारंभ। तिथि वृद्धि।
२४-०६	पांचम् दि. ०६:३१	मंगल	शतभिषा रा. ०३:१२	कुम्भ दिन/रात	पंचक। स्वामी विवेकानन्द जयंती।
२५-०६	छठ दि. ०६:४०	बुध	पूर्वाभाद्रपद रा. ०३:३०	मीन रा. ०९:३०	पंचक। भद्रा प्रातः ०६:४० से सायं ०६:३० तक।
२६-०६	सातम् दि. ०६:१०	गुरू	उत्तराभाद्रपद रा. ०३:३९	मीन दिन/रात	पंचक। कालाष्टमी, शीतलाष्टमी।
२७-०६	आठम्/नवमी ०५:००/ रा. ०३:११	शुक्र	रेवती रा. ०२:१०	मेष रा. ०२:१०से	पंचक रात ०२:१० तक। तिथि क्षय।
२८-०६	दशमी रा. १२:४७	शनि	आश्विनी रा. १२:३५	मेष दिन/रात	भद्रा दोपहर ०२:३० से रात १२:४७ तक।
२९-०६	ग्यारस रा. ०९:०५	रवि	भरणी रा. १०:२७	वृषभ रा. ०३:५१से	योगिनि एकादशी व्रत सभी का। देवहरा बाबा पुण्य जयंती।
३०-०६	बारस सा. ०६:३२	सोम	कृतिका रा. ०७:५८	वृषभ दिन/रात	सोम प्रदोष व्रत।
०१-०७	तेरस दो. ०२:५८	मंगल	रोहिणी सा. ०५:१२	मिथुन रा. ०३:४९से	भद्रा दोप. ०२:५८ से रात ०१:०९ तक। मास शिवरात्रि व्रत।
०२-०७	चौदस दो. ११:२१	बुध	मृगशिरा दो. ०२:२५	मिथुन दिन/रात	श्राद्धादि की अमावस्या। अन्वाधान।
०३-०७	अमावस/ एकम् ०७:४८/ रा. ०४:३२	गुरू	आर्द्रा दो. ११:४४	कर्क रा. ०३:५५से	स्नानादि की अमावस्या। तिथि क्षय। गुप्त नवरात्र प्रारंभ। शुक्र का तारा ०४-०७, रात १०:२६ से शुद्ध होगा

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

संं २०६५ आषाढ़ शुक्ल पक्ष

सूर्य दक्षिणायन — **दिनांक ०४ जुलाई से १८ जुलाई २००८ तक** — **वर्षा ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
०४-०७	दूज रा. ०१:३९	शुक्र	पूनर्वसू दि. ०९:२०	कर्क दिन/रात	चन्द्र दर्शन। **रथयात्रा (श्री जगन्नाथ पुरी)।** मनोरथ द्वितीया।
०५-०७	तीज रा. ११:१२	शनि	पुष्य दि. ०७:२५	कर्क दिन/रात	
०६-०७	चौथ रा. ०९:४५	रवि	आश्लेषा दि. ०६:०६	सिंह प्रा. ०६:०६से	भद्रा दिन में १०:२८ से रात ०९:४५ तक। **वैनायिकी श्री गणेश चौथ व्रत।** व्यतीपात रात ०३:२२ से प्रारंभ।
०७-०७	पांचम् रा. ०८:५४	सोम	मघा दि. ०५:२९	सिंह दिन/रात	श्री द्वारकाधीश पाटोत्सव। व्यतीपात रात ०१:४८ तक।
०८-०७	छठ रा. ०८:४९	मंगल	पूर्वाफाल्गूणी दि. ०५:३७	कन्या दो. ११:४७से	कुमार षष्ठी।
०९-०७	सातम् रा. ०९:२९	बुध	उत्तराफाल्गुणी दि. ०६:३२	कन्या दिन/रात	भद्रा रात ०९:२९ से प्रारंभ। विवस्वत सप्तमी।
१०-०७	आठम् रा. १०:५०	गुरू	हस्त दि. ०८:०९	तुला रा. ०९:१२से	भद्रा दिन में १०:०५ तक। श्री दुर्गाष्टमी व्रत।
११-०७	नवमी रा. १२:४१	शुक्र	चित्रा दि. १०:२२	तुला दिन/रात	कन्दर्प नवमी, शुद्रादि, भड्डली नवमी। **श्री मनसा माता (लम्बोर) प्रतिष्ठा दिवस।**
१२-०७	दशमी रा. ०२:५४	शनि	स्वाति दि. ०१:०१	तुला दिन/रात	**सोपपदा दशमी, आशा दशमी।** उल्टा रथ (उड़ीसा)।
१३-०७	ग्यारस दिन/रात	रवि	विशाखा दो. ०३:५४	वृश्चिक दि. ०९:०९से	भद्रा सायं ०४:०४ से प्रारंभ। **हरिशयनी एकादशी व्रत स्मार्तों का।** **चातुर्मास के व्रत नियम प्रारंभ।**
१४-०७	ग्यारस प्रा. ०५:१६	सोम	अनुराधा सा. ०६:५१	वृश्चिक दिन/रात	भद्रा प्रातः ०५:१६ तक। तिथि वृद्धि। **हरिशयनी एकादशी व्रत वैष्णवों का।**
१५-०७	बारस दि. ०७:३९	मंगल	ज्येष्ठा रा. ०९:४५	धनु रा. ०९:४५से	भौम प्रदोष व्रत। **बाबा बलदेव दास पुण्य तिथि।**
१६-०७	तेरस दि. ०९:५२	बुध	मूला रा. १२:२८	धनु दिन/रात	मनसा पूजा प्रारंभ (बंगाल)। शिव शयनोत्सव।
१७-०७	चौदस दि. ११:५०	गुरू	पूर्वाषाढ़ा रा. ०२:५६	धनु दिन/रात	भद्रा दिन में ११:५० से रात १२:४३ तक। पूर्णिमा व्रत। अन्वाधान। शिव पवित्रारोपण।
१८-०७	पूनम दो. ०१:२९	शुक्र	उत्तराषाढ़ा रा. ०५:०१	मकर दि. ०९:२४से	स्नान दानादि की पूर्णिमा। **गुरू पूर्णिमा।** व्यास पूजा। **संयासियों का चार्तुमास प्रारंभ।**

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ श्रावण कृष्ण पक्ष

सूर्य दक्षिणायन **दिनांक १९ जुलाई से ०१ अगस्त २००८ तक** **वर्षा ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१९-०७	एकम् दो. ०२:४५	शनि	श्रवण दिन/रात	मकर दिन/रात	अशून्य शयन व्रत। पार्थिव शिव पूजन प्रारंभ।
२०-०७	दूज दो. ०३:३८	रवि	श्रवण प्रा. ०६:३५	कुम्भ सा. ०७:१६से	पंचक सायं ०७:१६ से प्रारंभ। भद्रा रात ०३:५१ से प्रारंभ।
२१-०७	तीज सा. ०४:०३	सोम	धनिष्ठा दि. ०७:५०	कुम्भ दिन/रात	पंचक। भद्रा सायं ०४:०३ तक। संकष्टी श्री गणेश चौथ व्रत।★ श्रावण का प्रथम सोमवार।
२२-०७	चौथ सा. ०४:०२	मंगल	शतभिषा दि. ०८:४०	मीन रा. ०२:५८से	पंचक। मंगला गौरी व्रत।
२३-०७	पांचम् दो. ०३:३१	बुध	पूर्वाभाद्रपद दि. ०९:०१	मीन दिन/रात	पंचक। नागपंचमी (बंगाल व राजस्थान) में।
२४-०७	छठ दो. ०२:३३	गुरू	उत्तराभाद्रपद दि. ०८:५५	मीन दिन/रात	पंचक। भद्रा दोपहर ०२:३३ से रात ०१:४९ तक।
२५-०७	सातम् दो. ०१:०५	शुक्र	रेवती दि. ०८:१९	मेष दि. ०८:१९से	पंचक दिन में ०८:१९ तक। कालाष्टमी।
२६-०७	आठम् दो. ११:११	शनि	अश्विनी दि. ०७:१६	मेष दिन/रात	श्री शीतलाष्टमी।
२७-०७	नवमी दि. ०८:५३	रवि	भरणी/कृतिका ०५:४९ रा. ०४:०१	वृषभ दि. ११:२४से	भद्रा प्रारंभ सायं १९:३३ से।
२८-०७	दशमी/ ग्यारस ०६:१४/ रा. ०३:२१	सोम	रोहिणी रा. ०२:०१	वृषभ दिन/रात	भद्रा समाप्त दिन में ०६:१४ पर। श्रावण का द्वितीय सोमवार। कामदा एकादशी व्रत स्मार्तों का। तिथि क्षय।
२९-०७	बारस रा. १२:२०	मंगल	मृगशिरा रा. ११:४५	मिथुन दो. १२:५३से	मंगला गौरी व्रत। कामदा एकादशी व्रत वैष्णवों का।
३०-०७	तेरस रा. ०९:१८	बुध	आर्द्रा रा. ०९:३१	मिथुन दिन/रात	भद्रा रात ०९:१८ से प्रारंभ। प्रदोष व्रत। मास शिवरात्रि व्रत।
३१-०७	चौदस सा. ०६:२३	गुरू	पुनर्वसू रा. ०७:२६से	कर्क दो. ०१:५६से	भद्रा समाप्त ०७:५० पर।
०१-०८	अमावस दो. ०३:४३	शुक्र	पुष्य सा. ०५:३५	कर्क दिन/रात	स्नानादि की अमावस्या। अन्वाधान। हरियाली अमावस्या। खण्डग्रास सूर्य ग्रहण।★ व्यतीपात रात ०७:१४ से प्रारंभ।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ चन्द्रोदय समय हेतु पृष्ठ - ४७ देखें।

सं० २०६५ श्रावण शुक्ल पक्ष

सूर्य दक्षिणायन **दिनांक ०२ अगस्त से १६ अगस्त २००८ तक** **वर्षा ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
०२-०८	एकम् दो. ०१:२५	शनि	आश्लेषा सा. ०४:०८	सिंह सा. ०४:०८से	चन्द्र दर्शन। नक्त व्रतारंभ। करि दिन। व्यतीपात सायं ०४:२३ तक।
०३-०८	दूज दो. ११:४०	रवि	मघा दो. ०३:१३	सिंह दिन/रात	**स्वामी करपात्रि जयंती।** **सिंधारा (बहन बेटियों का)।**
०४-०८	तीज दि. १०:३१	सोम	पूर्वाफाल्गुनी दो. ०२:५५	कन्या रा. ०८:५८से	भद्रा रात १०:१७ से प्रारंभ। हरियाली, मधुश्रवा तीज। **श्रावण का तृतीय सोमवार।** **वेनायिकी श्री गणेश चौथ व्रत।**
०५-०८	चौथ दि. १०:०४	मंगल	उत्तराफाल्गुणी दो. ०३:२०	कन्या दिन/रात	भद्रा दिन में १०:०४ तक। **मंगला गौरी व्रत।**
०६-०८	पांचम् दि. १०:१९	बुध	हस्त दो. ०४:२६	कन्या दिन/रात	श्री नाग पंचमी। कल्कि जयंती। **श्री हनुमान जी का ध्वजारोपण।** हस्त पंचमी में श्रावणी उपाकर्म।
०७-०८	छठ दि. ११:१७	गुरू	चित्रा सा. ०६:१२	तुला प्रा. ०५:१४से	कल्कि षष्ठी। श्रृयाल षष्ठी।
०८-०८	सातम् दो. १२:५२	शुक्र	स्वाती रा. ०८:३२	तुला दिन/रात	भद्रा दोप. १२:५२ से रात ०१:५३ तक। गोस्वामी तुलसीदास जयंती। शीतला पूजन।
०९-०८	अष्ठम् दो. ०२:५४	शनि	विशाखा र. ११:१५	वृश्चिक सा. ०४:३३से	श्री दुर्गाष्टमी व्रत। शिव पवित्रारोपण।
१०-०८	नवमी सा. ०५:१४	रवि	अनुराधा रा. ०२:११	वृश्चिक दिन/रात	
११-०८	दशमी रा. ०७:३६	सोम	ज्येष्ठा रा. ०५:०६	धनु रा. ०५:०६से	**श्रावण का चतुर्थ सोमवार।**
१२-०८	ग्यारस रा. ०९:५०	मंगल	मूला दिन/रात	धनु दिन/रात	भद्रा दिन में ०८:४४ से रात ०९:५० तक। **पुत्रदा एकादशी व्रत सभी का।** **मंगला गौरी व्रत। झूलन यात्रा प्रारंभ।**
१३-०८	बारस रा. ११:४७	बुध	मूला दि. ०७:५०	धनु दिन/रात	
१४-०८	तेरस रा. ०१:१७	गुरू	पूर्वाषाढ़ा दि. १०:१२	मकर दो. ०४:४३से	प्रदोष व्रत।
१५-०८	चौदस रा. ०२:१७	शुक्र	उत्तराषाढ़ा दो. १२:०७	मकर दिन/रात	भद्रा रात ०२:१७ से प्रारंभ। स्वतंत्रता दिवस।
१६-०८	पूनम् रा. ०२:४७	शनि	श्रवण दो. ०१:३३	कुम्भ रा. ०२:०४से	पंचक रात ०२:०४ से। रक्षा बन्धन। भद्रा दोपहर ०२:३१ तक। अन्वाधान। स्नानादि की पूर्णिमा। श्री अमरनाथ दर्शन। नारली पूर्णिमा। **खण्डग्रास चन्द्र ग्रहण।★**

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ भाद्रपद कृष्ण पक्ष

सूर्य दक्षिणायन — **दिनांक १७ अगस्त से ३० अगस्त २००८ तक** — **वर्षा ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१७-०८	एकम् रा. ०२:४५	रवि	धनिष्ठा दो. ०२:२८	कुम्भ दिन/रात	पंचक।
१८-०८	दूज रा. ०२:१४	सोम	शतभिषा दो. ०२:५४	कुम्भ दिन/रात	पंचक। अशून्य शयन व्रत। **बहुओं का सिंधारा।**
१९-०८	तीज रा. ०१:१९	मंगल	पूर्वाभाद्रपद दो. ०२:५३	मीन दि. ०८:५७से	भद्रा दो. ०१:४७ से रात ०१:१९ तक। पंचक। **कज्जली तीज (बड़ी तीज)।**
२०-०८	चौथ रा. १२:००	बुध	उत्तराभाद्रपद दो. ०२:२८	मीन दिन/रात	**संकष्टी श्री गणेश चौथ व्रत।★** पंचक। बहुला चौथ।
२१-०८	पांचम् रा. १०:२३	गुरू	रेवती दो. ०१:४३	मेष दो. ०१:४३से	पंचक दोपहर ०१:४३ तक। रक्षा पंचमी। **गूगा पंचमी।**
२२-०८	छठ रा. ०८:३१	शुक्र	अश्विनी दो. १२:४२	मेष दिन/रात	हलषष्ठी व्रत। **चाना छठ।** भद्रा रात ०८:३१ से प्रारंभ।
२३-०८	सातम् सा. ०६:२६	शनि	भरणी दो. ११:२७	वृषभ सा. ०५:०७से	भद्रा दिन में ०७:२८ तक। **श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत स्मार्तों का।** ज्वालामुखी योग सायं ०६:२६ से शुरू।
२४-०८	आठम् सा. ०४:११	रवि	कृतिका दि. १०:०१	वृषभ दिन/रात	कालाष्टमी। गोकुलाष्टमी। नंदोत्सव। **श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत वैष्णवों का।** दुर्वाष्टमी।
२५-०८	नवमी दो. ०१:५१	सोम	रोहिणी दि. ०८:३०	मिथुन सा. ०७:४३से	भद्रा रात १२:४० से प्रारंभ। गोगा नवमी। ज्वालामुखी योग दिन में ०८:३१ तक।
२६-०८	दशमी दो. ११:२८	मंगल	मृगशिरा दि. ०६:५४	मिथुन दिन/रात	भद्रा दोपहर ११:२८ तक।
२७-०८	ग्यारस दि. ०९:०७	बुध	आर्द्रा/पुनर्वसू ०५:१८/ रा. ०३:४७	कर्क रा. १०:११से	**जया एकादशी व्रत सभी का। बच्छ बारस व्रत।** व्यतीपात १०:२५ से प्रारंभ।
२८-०८	बारस/तेरस ०६:५१/ रा. ०४:४६	गुरू	पुष्य रा. ०२:२७	कर्क दिन/रात	भद्रा रात ०४:४६ से प्रारंभ। प्रदोष व्रत। तिथि क्षय। पर्यूषण पर्वारंभ (जैन)। व्यतीपात दिन ०७:२९ तक।
२९-०८	चौदस रा. ०२:५६	शुक्र	आश्लेषा रा. ०१:२१	सिंह रा. ०१:२१से	भद्रा दो:०३:५१ तक। **श्री कैलाश यात्रा।** मास शिवरात्रि व्रत। अघोर चतुर्दशी व्रत।
३०-०८	अमावस रा. ०१:२८	शनि	मघा रा. १२:३६	सिंह दिन/रात	स्नानादि की अमावस्या। **डाभी अमावस्या। श्री राणीसती दादी पूजन (झुंझुनू मेला)। सतियों की जात पीठौरी।**

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

संं २०६५ भाद्रपद शुक्ल पक्ष

सूर्य दक्षिणायन — **दिनांक ३१ अगस्त से १५ सितम्बर २००८ तक** — **शरद ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
३१-०८	एकम् रा. १२:२७	रवि	पूर्वाफाल्गुणी रा. १२:१९	सिंह दिन/रात	इष्टि। नक्त व्रत का अंतिम दिन।
०१-०९	दूज रा. ११:५९	सोम	उत्तराफाल्गुणी रा. १२:३२	कन्या प्रा. ०६:१९से	चन्द्र दर्शन। **बाबा रामदेवजी जन्मोत्सव।**
०२-०९	तीज रा. १२:०६	मंगल	हस्त रा. ०१:२१	कन्या दिन/रात	**गौरी तृतीया। हरितालिका तीज व्रत।**
०३-०९	चौथ रा. १२:५२	बुध	चित्रा रा. ०२:४७	तुला दो. ०२:००से	भद्रा दो. १२:२४ से रात १२:५३ तक। **वैनायिकी श्री गणेश चौथ व्रत। श्री गणेश जन्मोत्सव।** संव. समा. (जैन)।
०४-०९	पांचम् रा. ०२:१३	गुरू	स्वाति रा. ०४:४८	तुला दिन/रात	**ऋषि पंचमी।** सप्तर्षि पूजा। संवत्सरी समाप्त (पंचमी पक्ष) जैन।
०५-०९	छठ रा. ०४:०६	शुक्र	विशाखा दिन/रात	वृश्चिक रा. १२:३८से	**सूर्य षष्ठी व्रत।** डॉ. राधाकृष्णन जयंती। सियाणा भैरव मेला।
०६-०९	सातम् दिन/रात	शनि	विशाखा दि. ०७:१७	वृश्चिक दिन/रात	**दुबड़ी सातम्।** मुक्ताभरण सप्तमी। अपराजिता सप्तमी। **श्री पूनरासर हनुमान मेला।**
०७-०९	सातम् दि. ०६:२२	रवि	अनुराधा दि. १०:०८	वृश्चिक दिन/रात	भद्रा प्रातः ०६:२२ से सायं ०७:३४ तक। **श्री महालक्ष्मी व्रत (सोलह दिन का) प्रारंभ।** तिथि वृद्धि।
०८-०९	आठम् दिन. ०८:४७	सोम	ज्येष्ठा दो. ०१:०६	धनु दो. ०१:०६से	श्री दुर्गाष्टमी, **राधाष्टमी।** दुर्वाष्टमी।
०९-०९	नवमी दि. ११:०८	मंगल	मूल दो. ०३:५७	धनु दिन/रात	श्री चन्द्र नवमी। अदुःख नवमी। **श्रीमद् भागवत सप्ताह प्रारंभ।**
१०-०९	दशमी दो. ०१:१३	बुध	पूर्वाषाढ़ा सा. ०६:३२	मकर रा. ०१:०४से	भद्रा रात ०२:०० से। दशावतार दशमी। **श्री रामदेवरा मेला (राजस्थान)।**
११-०९	ग्यारस दो. ०२:४७	गुरू	उत्तराषाढ़ा रा. ०८:३७	मकर दिन/रात	भद्रा दोपहर ०२:४६ से। विनोबा जयंती। **पद्मा एकादशी व्रत।**
१२-०९	बारस दो. ०३:४५	शुक्र	श्रवण रा. १०:०५	मकर दिन/रात	दोपहर ०१:३० तक तिथि हरि वासर है। श्रवण द्वादशी। वामन अवतार। भुवनेश्वरी जयंती। प्रदोष व्रत।
१३-०९	तेरस सा. ०४:०३	शनि	धनिष्ठा रा. १०:५३	कुम्भ दि. १०:२७से	पंचक दिन १०:२७ से प्रारंभ।
१४-०९	चौदस दो. ०३:४२	रवि	शतभिषा रा. ११:०२	कुम्भ दिन/रात	भद्रा दोप. ०३:४२ से रात ०३:१७ तक। पंचक। **श्री अनन्त चतुर्दशी व्रत।** पूर्णिमा व्रत। अन्वाधान।
१५-०९	पूनम दो. ०२:४३	सोम	पूर्वाभाद्रपद रा. १०:३४	मीन दो. ०४:३८से	पंचक। **श्रीमद् भागवत सप्ताह समाप्त।** स्नानादि की पूर्णिमा। **पूनम का श्राद्ध।**

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ आश्विन कृष्ण पक्ष

सूर्य दक्षिणायन **दिनांक १६ सितम्बर से २९ सितम्बर २००८ तक** **शरद ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१६-०९	एकम् दो. ०१:१३	मंगल	उत्तराभाद्रपद रा. ०९:३७	मीन दिन/रात	पंचक। एकम् का श्राद्ध। महालयारंभ। दूज का श्राद्ध।
१७-०९	दूज दो. ११:२०	बुध	रेवती रा. ०८:१९	मेष रा. ०८:१९से	पंचक रात ०८:१९ तक। भद्रा रात १०:१६ से प्रारंभ। तीज का श्राद्ध।
१८-०९	तीज दि. ०९:०८	गुरू	अश्विनी सा. ०६:४५	मेष दिन/रात	भद्रा दिन ०९:०८ तक। चौथ का श्राद्ध। संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी व्रत।★
१९-०९	चौथ/पांचम् ०६:४६/ रा. ०४:२१	शुक्र	भरणी सा. ०५:०७	वृषभ रा. १०:४२से	पांचम् का श्राद्ध। तिथि क्षय। ज्वालामुखी योग दिन ०६:४६ से सायं ०५:०७ तक।
२०-०९	छठ रा. ०१:५७	शनि	कृतिका दो. ०३:२७	वृषभ दिन/रात	भद्रा रात ०१:५७ से। छठ का श्राद्ध। चन्द्र षष्ठी व्रत।
२१-०९	सातम् रा. ११:४०	रवि	रोहिणी दो. ०१:५२	मिथुन रा. ०१:०७से	भद्रा दोप. १२:४८ तक। सातम् का श्राद्ध। व्यतीपात रात १०:१० से।
२२-०९	आठम् रा. ०९:३२	सोम	मृगशिरा दो. १२:२५	मिथुन दिन/रात	आठम् का श्राद्ध। जीवित्पुत्रिका व्रत। श्री महालक्ष्मी व्रत का समापन। कालाष्टमी। व्यतीपात सायं ०७:१९ तक।
२३-०९	नवमी सा. ०७:३५	मंगल	आर्द्रा दि. ११:०८	कर्क रा. ०४:१९से	नवमी का श्राद्ध। मातृ नवमी। सौभाग्यवती स्त्रियों का श्राद्ध।
२४-०९	दशमी सा. ०५:५३	बुध	पुनर्वसू दि. १०:०५	कर्क दिन/रात	भद्रा दिन में ०६:४३ से सायं ०५:५३ तक। दशमी का श्राद्ध।
२५-०९	ग्यारस दो. ०४:२५	गुरू	पुष्य दि. ०९:१५	कर्क दिन/रात	ग्यारस का श्राद्ध। इन्दिरा एकादशी व्रत सभी का।
२६-०९	बारस रा. ०३:१४	शुक्र	आश्लेषा दि. ०८:४१	सिंह दि. ०८:४१से	बारस का श्राद्ध। प्रदोष व्रत। सन्यासी-यति, वैष्णवों का श्राद्ध।
२७-०९	तेरस दो. ०२:२२	शनि	मघा दि. ०८:२६	सिंह दिन/रात	भद्रा दोप. ०२:२२ से रात ०२:०६ तक। तेरस का श्राद्ध। मासशिवरात्रि व्रत।
२८-०९	चौदस दो. ०१:५०	रवि	पूर्वाफाल्गुणी दि. ०८:२९	कन्या दो. ०२:३४से	चौदस का श्राद्ध। शस्त्रादि से हत का श्राद्ध।
२९-०९	अमावस दो. ०१:४२	सोम	उत्तराफाल्गुणी दि. ०८:५६	कन्या दिन/रात	अमावस का श्राद्ध। सोमवती अमावस्या। महालया समाप्त। पितृ विसर्जन। अन्वाधान।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ आश्विन शुक्ल पक्ष

सूर्य दक्षिणायन **दिनांक ३० सितम्बर से १४ अक्टूबर २००८ तक** **शरद ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
३०-०९	एकम् दो. ०२:०३	मंगल	हस्त दि. ०९:५०	तुला रा. १०:२६से	इष्टि। मातामह (नाना/नानी) श्राद्ध। शारदीय नवरात्रारम्भ। घट स्थापन। महाराज अग्रसेन जयंती। चन्द्र दर्शन।
०१-१०	दूज दो. ०२:५३	बुध	चित्रा दि. ११:११	तुला दिन/रात	
०२-१०	तीज सा. ०४:१४	गुरू	स्वाती दो. ०१:०२	तुला दिन/रात	भद्रा रात ०५:०६ से प्रारंभ। महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयंती।
०३-१०	चौथ सा. ०६:०५	शुक्र	विशाखा दो. ०३:२२	वृश्चिक दि. ०८:४५ से	भद्रा सायं ०६:०५ तक। वैनायिकी श्री गणेश चौथ जयंती।
०४-१०	पांचम् रा. ०८:२०	शनि	अनुराधा रा. ०६:०७	वृश्चिक दिन/रात	उपांग ललिता व्रत। ललिता पंचमी।
०५-१०	छठ रा. १०:५०	रवि	ज्येष्ठा रा. ०९:०६	धनु रा. ०९:०६से	रवि षष्ठी।
०६-१०	सातम् रा. ०१:२२	सोम	मूल रा. १२:०७	धनु दिन/रात	भद्रा रात ०१:२२ से। महासप्तमी। मूल में सरस्वती का आवाहन। शारदीय दुर्गापूजा प्रारंभ।
०७-१०	आठम् रा. ०३:४१	मंगल	पूर्वाषाढ़ा रा. ०३:०२	धनु दिन/रात	भद्रा दोप. ०२:३४ तक। महाष्टमी। श्री दुर्गाष्टमी व्रत। पूर्वाषाढ़ा में सरस्वती का पूजन।
०८-१०	नवमी दिन/रात	बुध	उत्तराषाढ़ा दिन/रात	मकर दिन. ०९:३७से	श्री महानवमी व्रत। मन्वादि नवमी। उत्तराषाढ़ा में सरस्वती के लिए बलिदान।
०९-१०	नवमी दि. ०५:३४	गुरू	उत्तराषाढ़ा प्रा. ०५:३१	मकर दिन/रात	विजयदशमी, दशहरा। अपराजिता दशमी। श्रवण में सरस्वती का विसर्जन। माधवाचार्य जयंती। तिथि वृद्धि।
१०-१०	दशमी दि. ०६:४७	शुक्र	श्रवण दि. ०७:१०	कुम्भ सा. ०७:४८से	पंचक सायं ०७:४८ से। भरत मिलाप। भद्रा सायं ०७:०१ से ।
११-१०	ग्यारस दि. ०७:१४	शनि	धनिष्ठा दि. ०८:१३	कुम्भ दिन/रात	पंचक। भद्रा दिन ०७:१४ तक। पापांकुशा एकादशी व्रत सभी का।
१२-१०	बारस दि. ०६:५३	रवि	शतभिषा दि. ०८:२९	मीन रा. ०२:१०से	पंचक। प्रदोष व्रत।
१३-१०	तेरस/ चौदस ०५:४५/ रा. ०३:५५	सोम	पूर्वाभाद्रपद दि. ०७:५८	मीन दिन/रात	पंचक। भद्रा रात ०३:५५ से
१४-१०	पूनम रा. ०१:३२	मंगल	उत्तराभाद्रपद/ रेवती ०६:४७/ रा. ०५:०५	मेष रा. ०५:०५से	पंचक रात ०५:०५ तक। शरद् पूर्णिमा। भद्रा दोप. ०२:४७ तक। वाल्मिकी जयंती। स्नानादि की पूर्णिमा व्रत। अन्वाधान। कोजागरी (लक्ष्मी पूजा) बंगाल।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ कार्तिक कृष्ण पक्ष

सूर्य दक्षिणायन **दिनांक १५ अक्टूबर से २८ अक्टूबर २००८ तक** **हेमन्त ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१५-१०	एकम् रा. १०:४६	बुध	अश्विनी रा. ०३:०८	मेष दिन/रात	इष्टि। **कार्तिक स्नान प्रारंभ।**
१६-१०	दूज सा. ०७:४४	गुरू	भरणी रा. १२:४४	मेष दिन/रात	अशून्य शयन व्रत।
१७-१०	तीज सा. ०४:४०	शुक्र	कृतिका रा. १०:२५	वृषभ दि. ०६:०८से	भद्रा दिन ०६:१२ से सायं ०४:४०तक। **संकष्टी श्री गणेश चौथ व्रत।★** **करवा (करक) चौथ व्रत।** व्यतीपात दोपहर ११:१० से।
१८-१०	चौथ दो. ०१:३९	शनि	रोहिणी रा. ०८:१२	वृषभ दिन/रात	व्यतीपात दिन ०७:३१ तक।
१९-१०	पांचम् दि. १०:५१	रवि	मृगशिरा सा. ०६:१५	मिथुन दि.०७:१२से	
२०-१०	छठ दि. ०८:२३	सोम	आर्द्रा सा. ०४:३९	मिथुन दिन/रात	भद्रा दिन ०८:२३ से सायं ०७:२० तक।
२१-१०	सातम्/ आठम् ०६:१७/ रा. ०४:३८	मंगल	पुनर्वसू दो. ०३:२६	कर्क दि. ०९:४२से	कालाष्टमी। कराष्टमी। तिथि क्षय। **अहोई अष्टमी व्रत। राधाष्टमी।**
२२-१०	नवमी रा. ०३:२६	बुध	पुष्य दो. ०२:४१	कर्क दिन/रात	ज्वालामुखी योग रात ०३:२६ से प्रारंभ।
२३-१०	दशमी रा. ०२:४०	गुरू	आश्लेषा दो. ०२:२०	सिंह दो. ०२:२०से	भद्रा दोप. ०३:०३ से रात ०२:४० तक। ज्वालामुखी योग दोपहर ०२:२० तक।
२४-१०	ग्यारस रा. ०२:१९	शुक्र	मघा दो. ०२:२६	सिंह दिन/रात	**रम्भा एकादशी व्रत सभी का।**
२५-१०	बारस रा. ०२:२०	शनि	पूर्वाफाल्गुणी दो. ०२:५४	कन्या रा. ०९:०६से	गोवत्स द्वादशी। वसु द्वादशी।
२६-१०	तेरस रा. ०२:४६	रवि	उत्तराफाल्गुणी दो. ०३:४५	कन्या दिन/रात	भद्रा रात ०२:४६ से। प्रदोष व्रत। **धन तेरस (त्रयोदशी) धन्वन्तरी जयंती।** यम पंचकारम्भ। कामेश्वरी जयंती।
२७-१०	चौदस रा. ०३:३३	सोम	हस्त सा. ०४:५८	कन्या दिन/रात	भद्रा दोपहर ०३:०९ तक। **नरक, रूप, चौदस।** मास शिवरात्रि व्रत।
२८-१०	अमावस रा. ०४:४४	मंगल	चित्रा सा. ०६:३३	तुला दि. ०५:४३से	स्नानादि की अमावस्या। **दीपावली। लक्ष्मी गणेश-कुबेरादि पूजन।** अन्वाधान। **महाकाली पूजन।** रामतीर्थ, दयानंद, महावीर निर्वाण दिवस। गौरी केदार व्रत।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें। ★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ कार्तिक शुक्ल पक्ष

सूर्य दक्षिणायन **दिनांक २९ अक्टूबर से १३ नवम्बर २००८ तक** **हेमन्त ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२९-१०	एकम् दिन/रात	बुध	स्वाती रा. ०८:३०	तुला दिन/रात	इष्टि। गोवर्धन पूजा। अन्नकूट। गो संवर्धन सप्ताह प्रारंभ।
३०-१०	एकम् दि. ०६:१९	गुरू	विशाखा रा. १०:५१	वृश्चिक दो. ०४:१३से	चन्द्र दर्शन। भाई दूज। यम द्वितीया। तिथि वृद्धि। यम पंचक समाप्त।
३१-१०	दूज दि. ०८:१७	शुक्र	अनुराधा रा. ०१:३१	वृश्चिक दिन/रात	सरदार पटेल जयंती।
०१-११	तीज दि. १०:३६	शनि	ज्येष्ठा रा. ०४:३०	धनु रा. ०४:३०से	भद्रा रात ११:५३ से प्रारंभ। वैनायिकी श्री गणेश चौथ व्रत।
०२-११	चौथ दो. ०१:१०	रवि	मूला दिन/रात	धनु दिन/रात	भद्रा दोपहर ०१:१० तक। सूर्य षष्ठी व्रत का प्रथम संयम।
०३-११	पांचम् दो. ०३:५१	सोम	मूल दि. ०७:३६	धनु दिन/रात	सौभाग्यपंचमी व्रत। ज्ञान पंचमी। सूर्य षष्ठी व्रत का द्वितीय संयम।
०४-११	छठ सा. ०६:२५	मंगल	पूर्वाषाढ़ा दि. १०:४०	मकर सा. ०५:२५से	सूर्य षष्ठी (डाला छठ) व्रत।
०५-११	सातम् रा. ०८:३९	बुध	उत्तराषाढ़ा दो. ०१:३०	मकर दिन/रात	भद्र रात ०८:३९ से। सूर्य षष्ठी व्रत का पारण।
०६-११	आठम् रा. १०:१८	गुरू	श्रवण दो. ०३:५०	कुम्भ रा. ०४:४४से	पंचक रात ०४:४४ से। श्री दुर्गाष्टमी। भद्रा दिन में ०९:२८ तक। गोपाष्टमी।
०७-११	नवमी रा. ११:११	शुक्र	धनिष्ठा सा. ०५:३०	कुम्भ दिन/रात	पंचक। अक्षय नवमी व्रत। जगद्धात्री पूजा।
०८-११	दशमी रा. ११:१३	शनि	शतभिषा सा. ०६:२१	कुम्भ दिन/रात	पंचक।
०९-११	ग्यारस रा. १०:२०	रवि	पूर्वाभाद्रपद सा. ०६:१८	मीन दो. १२:१९से	भद्रा दिन में १०:४६ से रात १०:२० तक। प्रबोधिनी (देवोत्थान) एकादशी व्रत सभी का। पंचक। तुलसी विवाह।
१०-११	बारस रा. ०८:३८	सोम	उत्तराभाद्रपद सा. ०५:२४	मीन दिन/रात	चातुर्मास-यम-नियमादि समाप्त। पंचक। कालीदास जयंती।
११-११	तेरस सा. ०६:१३	मंगल	रेवती दो. ०३:४४	मेष दो. ०३:४४से	पंचक दोप. ०३:४४ तक। भौम प्रदोष व्रत। वैकुण्ठ चतुर्दशी। काशी विश्वनाथ प्रतिष्ठा दिवस। व्यतीपात रा. ०३:५२ से।
१२-११	चौदस दो. ०३:११	बुध	अश्विनी दो. ०१:२९	मेष दिन/रात	भद्रा दोप. ०३:११ से रात ०१:२९ तक। व्रतादि की पूर्णिमा। मत्स्यवतार। अन्वाधान। व्यतीपात योग रात १२:०३तक।
१३-११	पूनम दो. ११:४७	गुरू	भरणी दि. १०:५१	वृषभ सा. ०४:०९से	स्नानादि की पूर्णिमा। रास पूर्णिमा। नानक जयंती। भीष्म पंचक समाप्त। निम्बार्क जयंती। कार्तिक स्नान समाप्त।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें। ★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष

सूर्य दक्षिणायन **दिनांक १४ नवम्बर से २७ नवम्बर २००८ तक** **हेमन्त ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१४-११	एकम्/ दूज ०८:१०/ रा. ०४:३२	शुक्र	कृतिका/ रोहिणी ०७:५९/ रा. ०५:०७	वृषभ दिन/रात	अशून्य शयन व्रत। नेहरू जयंती (बाल दिवस)।
१५-११	तीज रा. ०१:०४	शनि	मृगशिरा रा. ०२:२५	मिथुन दो. ०३:४४से	भद्रा दोप. ०२:४९ से रात ०१:०४ तक।
१६-११	चौथ रा. ०९:५५	रवि	आर्द्रा रा. १२:०२	मिथुन दिन/रात	संकष्टी श्री गणेश चौथ व्रत।★
१७-११	पांचम् रा. ०७:१३	सोम	पुनर्वसू रा. १०:०७	कर्क सा. ०४:३३से	लाल लाजपतराय जयंती।
१८-११	छठ सा. ०५:०४	मंगल	पुष्य रा. ०८:४६	कर्क दिन/रात	भद्रा सायं ०५:०४ से रात ०४:१८ तक।
१९-११	सातम् दो. ०३:३३	बुध	आश्लेषा रा. ०८:०१	सिंह रा. ०८:०१से	कालाष्टमी। इन्दिरा गांधी जयंती। श्री काल भैरवाष्टमी (सायंकालीन)।
२०-११	आठम् दो. ०२:३८	गुरू	मघा रा. ०७:५३	सिंह दिन/रात	
२१-११	नवमी दो. ०२:२२	शुक्र	पूर्वाफाल्गुणी रा. ०८:२१	कन्या रा. ०२:३३से	भद्रा रात ०२:३० से। श्री राणीसती जंयती।
२२-११	दशमी दो. ०२:४०	शनि	उत्तराफाल्गुणी रा. ०९:२१	कन्या दिन/रात	भद्रा दोपहर ०२:४० तक।
२३-११	ग्यारस दो. ०३:२६	रवि	हस्त रा. १०:४९	कन्या दिन/रात	उत्पन्ना एकादशी व्रत सभी का।
२४-११	बारस सा. ०४:४०	सोम	चित्रा रा. १२:४०	तुला दो. ११:४२से	
२५-११	तेरस सा. ०६:१७	मंगल	स्वाती रा. ०२:५३	तुला दिन/रात	भौम प्रदोष व्रत। मास शिवरात्रि व्रत। भद्रा सायं ०६:१७ से।
२६-११	चौदस रा. ०८:११	बुध	विशाखा रा. ०५:२२	वृश्चिक रा. १०:४३से	भद्रा दिन ०७:१५ तक। कमला जयंती।
२७-११	अमावस रा. १०:२५	गुरू	अनुराधा दिन/रात	वृश्चिक दिन/रात	स्नानादि की अमावस्या। अन्वाधान।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष

सूर्य दक्षिणायन **दिनांक २८ नवम्बर से १२ दिसम्बर २००८ तक** **हेमन्त ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२८-११	एकम् रा. १२:५२	शुक्र	अनुराधा दि. ०८:०८	वृश्चिक दिन/रात	मार्तण्ड भैरव षट्रात्र प्रारंभ (महाराष्ट्र)। इष्टि।
२९-११	दूज रा. ०३:२९	शनि	ज्येष्ठा दि. ११:०५	धनु दि. ११:०५से	चन्द्र दर्शन। **बाबा बलदेव दास जयन्ती।**
३०-११	तीज दिन/रात	रवि	मूल दो. ०२:११	धनु दिन/रात	
०१-१२	तीज दि. ०६:१२	सोम	पूर्वाषाढ़ा सा. ०५:१८	मकर रा. १२:०४से	भद्रा रात ०७:३१ से। तिथि वृद्धि। **वैनायिकी श्री गणेश चौथ व्रत।**
०२-१२	चौथ दि. ०८:५०	मंगल	उत्तराषाढ़ा रा. ०८:१७	मकर दिन/रात	भद्रा दिन ०८:५० तक।
०३-१२	पांचम् दि. ११:१५	बुध	श्रवण रा. ११:०१	मकर दिन/रात	**श्री राम विवाहोत्सव।** गुरू तेग बहादुर बलिदान दिवस।
०४-१२	छठ दो. ०१:१३	गुरू	धनिष्ठा रा. ०१:१७	कुम्भ दो. १२:०८से	पंचक दोप. १२:०८ से। स्कन्द षष्ठी व्रत। चम्पा षष्ठी। भैरव षट्रात्र समाप्त। गुहा, रूपिणी छठ।
०५-१२	सातम् दो. ०२:३२	शुक्र	शतभिषा रा. ०२:५२	कुम्भ दिन/रात	भद्रा दो. ०२:३२ से रात ०२:४८ तक। पंचक। मित्र सप्तमी। नरसी मेहता जयंती।
०६-१२	आठम् दो. ०३:०६	शनि	पूर्वाभाद्रपद रा. ०३:३९	मीन रा. ०९:१६से	पंचक। श्री दुर्गाष्टमी।
०७-१२	नवमी दो. ०२:४८	रवि	उत्तराभाद्रपद रा. ०३:३२	मीन दिन/रात	पंचक। कल्पादि नवमी। व्यतीपात योग सायं ०६:०८ से।
०८-१२	दशमी दो. ०१:३६	सोम	रेवती रा. ०२:१४	मेष रा. ०२:१४से	पंचक रात ०२:१४ तक। भद्रा रात १२:३५ से। व्यतीपात दोपहर ०३:५३ तक।
०९-१२	ग्यारस दो. ११:३६	मंगल	अश्विनी रा. १२:४३	मेष दिन/रात	भद्रा दोप. ११:३६ तक। गीता जयंती। **मोक्षदा एकादशी व्रत सभी का।** **वैकुण्ठ, मौनी एकादशी।**
१०-१२	बारस/ तेरस ०८:५४/ रा. ०५:३८	बुध	भरणी रा. १०:१७	वृषभ रा. ०३:२९से	अखण्ड द्वादशी। प्रदोष व्रत। तिथि क्षय। गुरू ग्रन्थ साहिब का वार्षिकोत्सव।
११-१२	चौदस रा. ०१:५८	गुरू	कृतिका रा. ०९:२३	वृषभ दिन/रात	भद्रा रात ०१:५८ से। **पिशाचमोचन श्राद्ध।**
१२-१२	पूनम रा. १०:०७	शुक्र	रोहिणी सा. ०४:१८	मिथुन रा. ०२:४४से	भद्रा दोप. ०१:०२ तक। दतात्रेय जयंती। स्नानादि की पूर्णिमा व्रत। अन्वाधान। त्रिपुरसुन्दरी श्री विद्या जयंती।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ पौष कृष्ण पक्ष

सूर्य दक्षिणायन **दिनांक १३ दिसम्बर से २७ दिसम्बर २००८ तक** **शिशिर ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१३-१२	एकम् सा. ०६:१५	शनि	मृगशिरा दो. ०१:११	मिथुन दिन/रात	इष्टि। *मलमास (धनु) १५-१२ से प्रारंभ।*
१४-१२	दूज दो. ०२:३५	रवि	आर्द्रा दि. १०:१२	कर्क रा. ०२:१०से	भद्रा रात १२:५६ से।
१५-१२	तीज दो. ११:१६	सोम	पुनर्वसू/पुष्य ०७:३२/ ०५:२१	कर्क दिन/रात	भद्रा दोपहर ११:१६ तक। संकष्टी श्री गणेश चौथ व्रत।★ मलमास (धनु) प्रारंभ
१६-१२	चौथ दि. ०८:२७	मंगल	आश्लेषा रा. ०३:४५	सिंह रा. ०३:४५से	
१७-१२	पांचम्/छठ ०६:१६/ रा. ०४:४७	बुध	मघा रा. ०२:५३	सिंह दिन/रात	भद्रा रात ०४:४७ से। तिथि क्षय।
१८-१२	सातम् रा. ०४:०३	गुरू	पूर्वाफाल्गुणी रा. ०२:४३	सिंह दिन/रात	भद्रा सायं ०४:२६ तक।
१९-१२	आठम् रा. ०४:०६	शुक्र	उत्तराफाल्गुणी रा. ०३:१८	कन्या दि. ०८:४८से	कालाष्टमी। अष्टका श्राद्ध।
२०-१२	नवमी रा. ०४:४९	शनि	हस्त रा. ०४:३३	कन्या दिन/रात	अन्वष्टका।
२१-१२	दशमी रा. ०६:०९	रवि	चित्रा दिन/रात	तुला सा. ०५:२४से	भद्रा सांय ०५:२९ से रात ०६:०९ तक। श्री पार्श्वनाथ जयंती। सूर्य उत्तरायण में।
२२-१२	ग्यारस दिन/रात	सोम	चित्रा दि. ०६:२३	तुला दिन/रात	
२३-१२	ग्यारस दि. ०७:५९	मंगल	स्वाती दि. ०८:४१	वृश्चिक रा. ०४:३८से	सफला एकादशी व्रत सभी का। श्रद्धानंद बलिदान दिवस। तिथि वृद्धि।
२४-१२	बारस दि. १०:१०	बुध	विशाखा दि. ११:१९	वृश्चिक दिन/रात	प्रदोष व्रत। क्रिसमस की पूर्व संध्या।
२५-१२	तेरस दो. १२:३७	गुरू	अनुराधा दो. ०२:१३	वृश्चिक दिन/रात	भद्रा दोप. १२:३७ से रात ०१:५६ तक। मास शिवरात्री व्रत। बड़ा दिन (क्रिसमस) मालवीय जयंती।
२६-१२	चौदस दो. ०३:१३	शुक्र	ज्येष्ठा सा. ०५:१३	धनु सा. ०५:१३से	
२७-१२	अमावस सा. ०५:५३	शनि	मूल रा. ०८:१८	धनु दिन/रात	स्नानादि की अमावस्या। अन्वाधान। ज्वालामुखी योग १७:५३ से रात ०८:१८ तक। वकुला अमावस।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ पौष शुक्ल पक्ष

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक २८ दिसम्बर से ११ जनवरी २००९ तक** — **शिशिर ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२८-१२	एकम् रा. ०८:३०	रवि	पूर्वाषाढ़ा रा. ११:२०	मकर रा. ०६:०४से	इष्टि।
२९-१२	दूज रा. ११:००	सोम	उत्तराषाढ़ा रा. ०२:१५	मकर दिन/रात	चन्द्र दर्शन।
३०-१२	तीज रा. ०१:१८	मंगल	श्रवण रा. ०४:५९	मकर दिन/रात	
३१-१२	चौथ रा. ०३:१३	बुध	धनिष्ठा दिन/रात	कुम्भ सा. ०६:०७से	पंचक ०६:०७ से। नव वर्ष की पूर्व संध्या। भद्रा दोप. ०२:१६ से रात ०३:१३तक। **वैनायिकी श्री गणेश चौथ व्रत।**
०१-०१	पांचम् रा. ०४:३९	गुरू	धनिष्ठा दि. ०७:१३	कुम्भ दिन/रात	पंचक। नव वर्ष २००९ प्रारंभ। व्यतीपात रात ०१:०० बजे से।
०२-०१	छठ रा. ०५:३०	शुक्र	शतभिषा दि. ०९:०५	मीन रा. ०४:०५से	पंचक। गुरू गोविन्द सिंह प्रकशोत्सव प्रारंभ। व्यतीपात योग रात १२:३३ तक।
०३-०१	सातम् रा. ०५:३८	शनि	पूर्वाभाद्रपद दि. १०:२०	मीन दिन/रात	पंचक। भद्रा रात ०५:३८ से। **गुरू गोविन्द सिंह जन्म दिवस।**
०४-०१	आठम् रा. ०५:०२	रवि	उत्तराभाद्रपद दि. १०:५४	मीन दिन/रात	पंचक। भद्रा सायं ०५:२० तक। श्री दुर्गाष्टमी। **शाकंभरी देवी नवरात्रारंभ।**
०५-०१	नवमी रा. ०३:४१	सोम	रेवती दि. १०:४४	मेष दि. १०:४४से	पंचक दिन १०:४४ तक।
०६-०१	दशमी रा. ०१:३९	मंगल	अश्विनी दि. ०९:५२	मेष दिन/रात	शाम्ब दशमी।
०७-०१	ग्यारस रा. १०:५८	बुध	भरणी/कृतिका ०८:१९/ रा. ०६:११	वृषभ दो. ०१:४५से	भद्रा दोप. १२:१८ से रात १०:५८ तक। **पुत्रदा एकादशी व्रत सभी का।**
०८-०१	बारस रा. ०७:४९	गुरू	रोहिणी रा. ०३:४६	वृषभ दिन/रात	
०९-०१	तेरस सा. ०४:१८	शुक्र	मृगशिरा रा. १२:४८	मिथुन दो. ०२:१३से	प्रदोष व्रत।
१०-०१	चौदस दो. १२:३८	शनि	आर्द्रा रा. ०९:४८	मिथुन दिन/रात	भद्रा दोप. १२:३८ से रात १०:४७ तक। पूर्णिमा व्रत। अन्वाधान।
११-०१	पूनम/ एकम् ०८:५६/ रा. ०५:२५	रवि	पुनर्वसू सा. ०६:५४	कर्क दो. ०१:३७से	स्नानादि की पूर्णिमा। तिथि क्षय। **शाकंभरी देवी नवरात्र समाप्त।** **गुरू का तारा १२-०१, सायं ०५:५६ से लगेगा**

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ माघ कृष्ण पक्ष

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक १२ जनवरी से २६ जनवरी २००९ तक** — **शिशिर ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१२-०१	दूज रा. ०२:१४	सोम	पुष्य सा. ०४:१७	कर्क दिन/रात	माघ स्नान आरंभ। लोहड़ी।
१३-०१	तीज रा. ११:३२	मंगल	आश्लेषा दो. ०२:०३	सिंह दो. ०२:०३से	भद्रा दोप. १२:५३ से रात ११:३२ तक।
१४-०१	चौथ रा. ०९:२८	बुध	मघा दो. १२:२४	सिंह दिन/रात	संकष्टी श्री गणेश चौथ व्रत।★ मकर संक्रांति। संत परमानंद जयंती। **मलमास (धनु) समाप्त**
१५-०१	पांचम् रा. ०८:०७	गुरू	पूर्वाफाल्गुणी दो. ११:२५	कन्या सा. ०५:१७से	
१६-०१	छठ रा. ०७:३५	शुक्र	उत्तराफाल्गुणी दो. ११:१२	कन्या दिन/रात	भद्रा रात ०७:३५ से।
१७-०१	सातम् रा. ०७:५१	शनि	हस्त दो. ११:४६	तुला रा. १२:१२से	भद्रा दिन ०७:४३ तक। रामानन्दचार्य जयंती। स्वामी विवेकानंद जयंती।
१८-०१	आठम् रा. ०८:५२	रवि	चित्र दो. ०१:०६	तुला दिन/रात	कालाष्टमी। अष्टका श्राद्ध।
१९-०१	नवमी रा. १०:३३	सोम	स्वाती दो. ०३:०५	तुला दिन/रात	
२०-०१	दशमी रा. १२:४५	मंगल	विशाखा सा. ०५:३७	वृश्चिक दि. १०:५७से	भद्रा दोप. ११:४० से रात १२:४५ तक।
२१-०१	ग्यारस रा. ०३:१७	बुध	अनुराधा रा. ०८:३०	वृश्चिक दिन/रात	षट्शिला एकादशी व्रत सभी का। वैकुण्ठ एकादशी।
२२-०१	बारस रा. ०५:५८	गुरू	ज्येष्ठा रा. ११:३५	धनु रा. ११:३५से	**कंकणाकृति सूर्य ग्रहण २६-०१-०९**
२३-०१	तेरस दिन/रात	शुक्र	मूल रा. ०२:४०	धनु दिन/रात	आदिनाथ निर्वाण (जैन) दिवस। प्रदोष व्रत। नेताजी जयंती।
२४-०१	चौदस दि. ०८:३८	शनि	पूर्वाषाढ़ा रा. ०५:४१	धनु दिन/रात	भद्रा दिन ०८:३८ से रात ०९:५३ तक। मेरू त्रयोदशी (जैन)। तिथि क्षय। मास शिवरात्री व्रत।
२५-०१	चौदस दि. ११:१०	रवि	उत्तराषाढ़ा दिन/रात	मकर दो. १२:२२से	
२६-०१	अमावस दो. ०१:२५	सोम	उत्तराषाढ़ा दि. ०८:२५	मकर दिन/रात	स्नानादि की मौनी अमावस्या। अन्वाधान। व्यतीपात योग ०४:४० से। गणतंत्र दिवस। कंकणाकृति सूर्य ग्रहण।★

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ माघ शुक्ल पक्ष

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक २७ जनवरी से ०९ फरवरी २००९ तक** — **शिशिर ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२७-०१	एकम् दो. ०३:२१	मंगल	श्रवण दि. १०:५२	कुम्भ रा. ११:५८से	पंचक रात ११:५८ से। चन्द्र दर्शन। **गुप्त नवरात्रारम्भ।** व्यतीपात योग ०४:५० तक।
२८-०१	दूज सा. ०४:५४	बुध	धनिष्ठा दो. १२:५९	कुम्भ दिन/रात	पंचक। लाला लाजपतराय जयंती।
२९-०१	तीज सा. ०६:००	गुरू	शतभिषा दो. ०२:३९	कुम्भ दिन/रात	पंचक।
३०-०१	चौथ सा. ०६:३८	शुक्र	पूर्वाभाद्रपद दो. ०३:५४	मीन दि. ०९:३८से	भद्रा दि. ०६:२३ से सायं ०६:३८ तक। पंचक। **वैनायिकी श्री गणेश चौथ व्रत।** बापू निर्वाण दिवस।
३१-०१	पांचम् सा. ०६:४६	शनि	उत्तराभाद्रपद सा. ०४:४०	मीन दिन/रात	पंचक। **बसंत पंचमी (सरस्वती पूजा)।** श्री पंचमी। वागीश्वरी जयंती।
०१-०२	छठ सा. ०६:२०	रवि	रेवती सा. ०४:५४	मेष सा. ०४:५४से	पंचक सायं ०४:५४ तक। शीतलाषष्ठी (बंगाल)।
०२-०२	सातम् सा. ०५:२४	सोम	अश्विनी सा. ०४:३७	मेष दिन/रात	भद्रा सायं ०५:२४ से रात ०४:४३ तक। अचला सप्तमी। श्री माधवाचार्य जयंती।
०३-०२	आठम् दो. ०३:५५	मंगल	भरणी दो. ०३:४८	वृषभ रा. ०९:३०से	श्री दुर्गाष्टमी। भीष्माष्टमी। ज्वालामुखी योग दोप. ०३:४८ से दोप. ०३:५६ तक।
०४-०२	नवमी दो. ०१:५५	बुध	कृतिका दो. ०२:२९	वृषभ दिन/रात	श्री महानन्दा नवमी।
०५-०२	दशमी दो. ११:३०	गुरू	रोहिणी दो. १२:४५	मिथुन रा. ११:४५से	भद्रा रात १०:०६ से। **जया एकादशी व्रत स्मार्तों का।**
०६-०२	ग्यारस/ बारस ०८:४३/ रा. ०५:४१	शुक्र	मृगशिरा दि. १०:३९	मिथुन दिन/रात	भद्रा प्रातः ०८:४३ तक। तिथि क्षय। **जया एकादशी व्रत वैष्णवों का। भौमी (बंगाल) एकादशी।** त्रिस्पृशा महाद्वादशी।
०७-०२	तेरस रा. ०२:३१	शनि	आर्द्रा/पुनर्वसू ०८:२०/ रा.०५:५४	कर्क रा. १२:३०से	शनि प्रदोष व्रत। मरू मेला (जैसलमेर) ३ दिन।
०८-०२	चौदस रा. ११:२०	रवि	पुष्य रा. ०३:२८	कर्क दिन/रात	भद्रा रात ११:२० से। **गुरू का तारा आज प्रातः ०४:०६ से शुद्ध**
०९-०२	पूनम रा. ०८:१९	सोम	आश्लेषा रा. ०१:१४	सिंह रा. ०१:१४से	भद्रा दिन में ०९:५० तक। भैरवी जयंती। **स्नानादि की माघी पूर्णिमा।** अन्वाधान। **संत रविदास जयंती। माघ स्नान समाप्त।**

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ फाल्गुन कृष्ण पक्ष

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक १० फरवरी से २५ फरवरी २००९ तक** — **वसन्त ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१०-०२	एकम् सा. ०५:३५	मंगल	मघा रा. ११:१९	सिंह दिन/रात	माघ मास व्रत का पारण।
११-०२	दूज दो. ०३:१९	बुध	पूर्वाफाल्गुणी रा. ०९:५३	कन्या रा. ०३:५६से	भद्रा रात ०२:२३ से।
१२-०२	तीज दो. ०१:३६	गुरू	उत्तराफाल्गुणी रा. ०९:०३	कन्या दिन/रात	भद्रा दोपहर ०१:३६ तक। संकष्टी श्री गणेश चौथ व्रत।★
१३-०२	चौथ दो. १२:३५	शुक्र	हस्त रा. ०८:५५	कन्या दिन/रात	
१४-०२	पांचम् दो. १२:२१	शनि	चित्रा रा. ०९:३४	तुला दि. ०९:०९से	
१५-०२	छठ दो. १२:५४	रवि	स्वाती रा. १०:५८	तुला दिन/रात	भद्रा १२:५४ से रात ०१:२८ तक।
१६-०२	सातम् दो. ०२:१३	सोम	विशाखा रा. ०१:०५	वृश्चिक सा. ०६:३०से	श्री श्रीनाथ जी पाटोत्सव (नाथद्वारा)।
१७-०२	आठम् सा. ०४:१०	मंगल	अनुराधा रा. ०३:४३	वृश्चिक दिन/रात	कालाष्टमी। जानकी जयन्ती। अष्टका श्राद्ध।
१८-०२	नवमी सा. ०६:३४	बुध	ज्येष्ठा दिन/रात	वृश्चिक दिन/रात	अन्वष्टका। श्री रामदास जयंती (समर्थ गुरू)।
१९-०२	दशमी रा. ०९:१४	गुरू	ज्येष्ठा दि. ०६:४२	धनु दि. ०६:४२से	भद्रा प्रातः ०७:५४ से रात ०९:१४ तक। स्वामी दयानन्द सरस्वती जन्म दिवस। शिवाजी जयंती।
२०-०२	ग्यारस रा. ११:५३	शुक्र	मूल दि. ०९:४९	धनु दिन/रात	विजया एकादशी व्रत सभी का।
२१-०२	बारस रा. ०२:१९	शनि	पूर्वाषाढ़ा दो. १२:४९	मकर सा. ०७:३३से	व्यतीपात दिन ०८:५१ से।
२२-०२	तेरस रा. ०४:२३	रवि	उत्तराषाढ़ा दो. ०३:५४	मकर दिन/रात	भद्रा रात ०४:२३ से। प्रदोष व्रत। व्यतीपात दिन ०९:३५ तक।
२३-०२	चौदस रा. ०६:००	सोम	श्रवण सा. ०५:५५	मकर दिन/रात	भद्रा सायं ०५:१६ तक। श्री वैद्यनाथ जयंती। महाशिवरात्रि व्रत।
२४-०२	अमावस दिन/रात	मंगल	धनिष्ठा रा. ०७:४८	कुम्भ दि. ०६:५३से	पंचक दिन ०६:५३ से। अन्वाधान स्नानादि की भौमवती अमावस्या।
२५-०२	अमावस दिन. ०७:०५	बुध	शतभिषा रा. ०९:०९	कुम्भ दिन/रात	पंचक। स्नानदान की अमावस्या। तिथि वृद्धि।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ फाल्गुन शुक्ल पक्ष

सूर्य उत्तरायण — **दिनांक २६ फरवरी से ११ मार्च २००९ तक** — **वसन्त ऋतु**

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
२६-०२	एकम् दि. ०७:३८	गुरू	पूर्वाभाद्रपद रा. १०:०१	मीन दो. ०३:४७से	पंचक। चन्द्र दर्शन। **फलरिया दूज।**
२७-०२	दूज दि. ०७:४२	शुक्र	उत्तराभाद्रपद रा. १०:२५	मीन दिन/रात	पंचक। श्री रामकृष्ण परमहंस जयंती।
२८-०२	तीज दि. ०७:२०	शनि	रेवती रा. १०:२२	मेष रा. १०:२२से	पंचक रात १०:२२ तक। भद्रा सायं ०६:५९ से।
०१-०३	चौथ/पांचम् ०६:३२/ रा. ०५:२४	रवि	अश्विनी रा. १०:०२	मेष दिन/रात	भद्रा दिन ०६:३२ तक। तिथि क्षय। ज्वालामुखी योग रात १०:०२ से रात ०५:२४ तक। **वैनायिकी श्री गणेश चौथ व्रत।**
०२-०३	छठ रा. ०३:५७	सोम	भरणी रा. ०९:२०	वृषभ रा. ०३:०६से	गोरूपिणी षष्ठी (बंगाल)।
०३-०३	सातम् रा. ०२:१३	मंगल	कृतिका रा. ०८:२२	वृषभ दिन/रात	भद्रा रात ०२:१३ से। सूर्य सप्तमी। ब्रह्मादादा जयन्ती (आचार्य कुल)।
०४-०३	आठम् रा. १२:१५	बुध	रोहिणी रा. ०७:०८	वृषभ दिन/रात	भद्रा दोप. ०१:१५ तक। श्री दुर्गाष्टमी। **श्री अन्नपूर्णा अष्टमी। होलाष्टक प्रारंभ।**
०५-०३	नवमी रा. १०:०५	गुरू	मृगशिरा सा. ०५:४३	मिथुन दि. ०६:२८ से	
०६-०३	दशमी रा. ०७:४५	शुक्र	आर्द्रा सा. ०४:०९	मिथुन दिन/रात	
०७-०३	ग्यारस सा. ०५:१९	शनि	पुनर्वसू दो. ०२:२६	कर्क दि. ०८:५२से	भद्रा दि. ०६:३२ से सायं ०५:१९ तक। **आमलकी एकादशी व्रत सभी का।** **रंगभरी एकादशी।**
०८-०३	बारस दो. ०२:५०	रवि	पुष्य दो. १२:४१	कर्क दिन/रात	गोविन्द द्वादशी। प्रदोष व्रत। **खाटू श्यामजी का मेला (राजस्थान)।**
०९-०३	तेरस दो. १२:२४	सोम	आश्लेषा दि. १०:५९	सिंह दि. १०:५९से	
१०-०३	चौदस दि. १०:०८	मंगल	मघा दि. ०९-२५	सिंह दिन/रात	भद्रा दि. १०:०८ से रात ०९:०८ तक। व्रत पूर्णिमा। अन्वाधान। **होलिका दहन रात ०९:०८ के पश्चात्।**
११-०३	पूनम दि. ०८:०८	बुध	पूर्वाफाल्गुणी दि. ०८:०७	कन्या दो. ०१:५२से	स्नानादि की पूर्णिमा। धुलंडी। करि दिन। **होलाष्टक समाप्त। बसन्तोत्सव।**

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

सं० २०६५ चैत्र कृष्ण पक्ष

सूर्य उत्तरायण — दिनांक १२ मार्च से २६ मार्च २००९ तक — वसन्त ऋतु

तिथि एवं नक्षत्र का समाप्ति काल दिया गया है

दिनांक	तिथि	वार	नक्षत्र	चन्द्र राशि प्रवेश	व्रत एवं त्यौहार का विवरण
१२-०३	एकम्/दूज ०६:३१/ रा. ०५:२७	गुरू	उत्तराफाल्गुनी दि. ०७:१३	कन्या दिन/रात	संत तुकाराम जयंती। तिथि क्षय।
१३-०३	तीज रा. ०४:५९	शुक्र	हस्त दि. ०६:५०	तुला सा. ०६:५३से	भद्रा सायं ०५:१३ से रात ०४:५९ तक।
१४-०३	चौथ रा. ०५:१४	शनि	चित्रा दि. ०७:०५	तुला दिन/रात	संकष्टी श्री गणेश चौथ व्रत।★ मीन (खर) मास प्रारंभ। आसमाता व्रत।
१५-०३	पांचम् दिन/रात	रवि	स्वाती दि. ०८:००	वृश्चिक रा. ०३:१०से	श्री रंगपंचमी। श्री पंचमी। सुरज रोटा व्रत।
१६-०३	छठ दि. ०६:१२	सोम	विशाखा दि. ०९:३७	वृश्चिक दिन/रात	तिथि वृद्धि।
१७-०३	छठ दि. ०७:५१	मंगल	अनुराधा दो. ११:५३	वृश्चिक दिन/रात	भद्रा दिन ०७:५१ से रात ०८:५६ तक। श्री एकनाथ षष्ठी।
१८-०३	सातम् दि. १०:०४	बुध	ज्येष्ठा दो. ०२:३९	धनु दो. ०२:३९से	श्री शीतला सप्तमी (बासोड़ा)। व्यतीपात योग दोप. ०१:३४ से।
१९-०३	आठम् दो. १२:३५	गुरू	मूल सा. ०५:४१	धनु दिन/रात	कालाष्टमी। शीतलाष्टमी। वर्षीतप प्रारंभ (जैन)। व्यतीपात योग दोप. ०२:२९ तक।
२०-०३	नवमी दो. ०३:१२	शुक्र	पूर्वाषाढ़ा रा. ०८:४५	मकर रा. ०३:३०से	भद्रा रात ०४:२६ से।
२१-०३	दशमी सा. ०५:३९	शनि	उत्तराषाढ़ा रा. ११:३९	मकर दिन/रात	भद्रा सायं ०५:३९ तक।
२२-०३	ग्यारस रा. ०७:४०	रवि	श्रवण रा. ०२:१०	मकर दिन/रात	पापमोचिनी एकादशी व्रत सभी का। शुक्र का तारा २३-०३, रात ०८:१९ से लगेगा
२३-०३	बारस रा. ०९:०८	सोम	धनिष्ठा रा. ०४:०५	कुम्भ दो. ०३:०२से	पंचक दोपहर ०३:०२ से।
२४-०३	तेरस रा. ०९:५७	मंगल	शतभिषा रा. ०५:२२	कुम्भ दिन/रात	पंचक। भद्रा रात ०९:५७ से। भौम प्रदोष व्रत। मास शिवरात्रि पर्व।
२५-०३	चौदस रा. १०:०५	बुध	पूर्वाभाद्रपद दिन/रात	मीन रा. ११:३६से	पंचक। भद्रा दिन में १८:०१ तक।
२६-०३	अमावस रा. ०९:३६	गुरू	पूर्वाभाद्रपद दि. ०५:४१	मीन दिन/रात	पंचक। स्नानदानादि की अमावस्या। मन्वादि। अन्वाधान। संवत २०६५ समाप्त।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - ४८ देखें।

★ ग्रहण समय हेतु पृष्ठ - २० देखें।

संकष्टी श्री गणेश चौथ का विभिन्न स्थान में चन्द्रोदय समय

स्थान	वैशाख २५ अप्रैल	ज्येष्ठ २३ मई	आषाढ़ २२ जुन	श्रावन २१ जुलाई	भाद्रपद २० अगस्त	आश्विन १८ सितम्बर	कार्तिक १७ अक्टूबर	मार्गशीर्ष १६ नवम्बर	पौष १५ दिसम्बर	माघ १४ जनवरी	फाल्गुन १२ फरवरी	चैत्र १४ मार्च
अमृतसर	२२:५७	२२:२९	२२:२२	२१:२५	२०:५५	२०:०७	१९:३४	२०:३१	२०:३३	२१:३५	२१:२१	२२:०९
उज्जैन	२२:२९	२२:०३	२२:०५	२१:१६	२०:५९	२०:१८	१९:५२	२०:४९	२०:४५	२१:३५	२१:१३	२१:४९
कोलकाता	२१:३४	२१:०९	२१:१२	२०:२३	२०:०७	१७:२७	१९:००	१९:५७	१९:५३	२०:४२	२०:२०	२०:५५
इंदौर	२२:२७	२२:०२	२२:०४	२१:१५	२०:५९	२०:१८	१९:५२	२०:४९	२०:४६	२१:३४	२१:१२	२१:४८
गुवाहाटी	२१:३०	२१:०४	२१:०४	२०:१२	१९:५१	१९:०७	१८:३८	१९:३४	१९:३३	२०:३६	२०:०८	२०:४८
जयपुर	२२:३९	२२:१२	२२:१०	२१:१७	२०:५६	२०:११	१९:४२	२०:३९	२०:३८	२१:३३	२१:१५	२१:५५
जोधपुर	२२:५०	२२:२४	२२:२३	२१:३०	२१:१०	२०:२६	१९:५८	२०:५५	२०:५३	२१:४७	२१:२८	२२:०८
दिल्ली	२२:३८	२२:११	२२:०७	२१:१३	२०:४८	२०:०३	१९:३२	२०:२९	२०:२९	२१:२६	२१:१०	२१:५३
चेन्नई	२१:४६	२१:२२	२१:३३	२०:५१	२०:४९	२०:१६	१९:५५	२०:५३	२०:४३	२१:१९	२०:५०	२१:१५
मुम्बई	२२:३०	२२:०५	२२:११	२१:२५	२१:१४	२०:३७	२०:१४	२१:११	२१:०५	२१:४८	२१:२३	२१:५४
वाराणसी	२२:०४	२१:३९	२१:३८	२०:४७	२०:२८	१९:४५	१९:१६	२०:१३	२०:११	२१:०३	२०:४४	२१:३३
हैदराबाद	२२:०३	२१:३८	२१:४६	२१:०१	२०:५२	२०:१६	१९:५४	२०:५१	२०:४४	२१:२५	२०:५९	२१:२८
बीकानेर	२२:५३	२२:२६	२२:२२	२१:२८	२१:०५	२०:१९	१९:५०	२०:४७	२०:४६	२१:४३	२१:२६	२२:०८
बैंगलोर	२१:५६	२१:३२	२१:४४	२१:०२	२०:५९	२०:२७	२०:०७	२१:०४	२०:५४	२१:३०	२१:०१	२१:०५
भिवानी	२२:४२	२२:१६	२२:१२	२१:१७	२०:५३	२०:०७	१९:३६	२०:३३	२०:३३	२१:३०	२१:४१	२१:५७

संवत् २०६५ के ग्रहण

संवत् २०६५ में भारतीय भुगोल पर निम्नांकित तीन ग्रहण होंगे। जिनमें २ सूर्यग्रहण एवं एक चन्द्रग्रहण भारत में दृश्य होगा।

खण्डग्रास सूर्य ग्रहण : १ अगस्त २००८ श्रावण कृष्ण अमावस्या शुक्रवार को खण्डग्रास सूर्य ग्रहण भारत में दृश्य होगा जिसका विवरण निम्नलिखित है।

स्थान	स्पर्श	मध्य	ग्रासमान	मोक्ष	स्थान	स्पर्श	मध्य	ग्रासमान	मोक्ष
अमृतसर	१५:५५	१६:५६	०.६४५	१७:५२	चेन्नई	१६:४०	१७:२५	०.३४७	१८:०७
बहराइच	१६:०६	१७:०४	०.६५७	१७:५८	मुम्बई	१६:२७	१७:१७	०.३७९	१८:०३
भुवनेश्वर	१६:२२	१७:१५	०.५६४	१८:०४	नागपुर	१६:२१	१७:१४	०.५०८	१८:०४
बीकानेर	१६:०३	१७:०२	०.५६२	१७:५६	पुणे	१६:२८	१७:१८	०.३८७	१८:०४
कोलकाता	१६:१८	१७:१२	०.६३६	१८:०२	सुरत	१६:२१	१७:१३	०.४२६	१८:०२
दिल्ली	१६:०३	१७:०२	०.६२४	१७:५६	विजयवाड़ा	१६:३१	१७:२१	०.४२९	१८:०६
गुवाहाटी	१६:१०	१७:०६	०.७३८	१७:५८	वि.पत्तनम्	१६:२८	१७:१९	०.४८५	१८:०६
हैदराबाद	१६:३०	१७:२०	०.४१९	१८.०६	वाराणसी	१६:११	१७:०८	०.६३३	१८:००
जयपुर	१६:०७	१७:०५	०.५७५	१७:५८					
जमशेदपुर	१६:१७	१७:१२	०.६१९	१८:०२					

इस ग्रहण का सूतक १२ घंटे पहले अर्थात सूर्योदय से पूर्व लगभग प्रारंभ हो जायेगा

खण्डग्रास चन्द्र ग्रहण : १६ अगस्त २००८ श्रावण शुक्ल पूर्णिमा शनिवार को खण्डग्रास चन्द्र ग्रहण भारत में समान समय पर ही दृश्य होगा जिसका विवरण निम्न है।

ग्रहण प्रारम्भ : रात ०१:०५ बजे ग्रहण समाप्त : रात ०४:१४ बजे
ग्रहण मध्य : रात ०२:४० बजे ग्रहण पर्वकाल : ३ घं. ०९ मिनट

चन्द्र ग्रहण का सूतक १६.०८.०८ को सायं ०४.०० बजे प्रारंभ हो जायेगा

कंकणाकृति सूर्य ग्रहण : २६ जनवरी २००९ माघ कृष्ण अमावस्या सोमवार को कंकणाकृति सूर्य गर्हण भारत के दक्षिण पूर्वी भाग में दृश्य है जिसका विवरण निम्न है।

स्थान	स्पर्श	मध्य	ग्रासमान	मोक्ष	स्थान	स्पर्श	मध्य	ग्रासमान	मोक्ष
बंगलोर	१४:३३	१५:१६	०.१०८	१५:५६	खड़गपुर	१५:०३	१५:२९	०.०५०	१५:५५
भुवनेश्वर	१४:५४	१५:२८	०.०७९	१५:५९	मैसूर	१४:३१	१५:१४	०.१०५	१५:५४
कोलकाता	१५:०१	१५:३०	०.०६२	१५:५७	राउरकेला	१५:१३	१५:२८	०.०१५	१५:४२
कटक	१४:५५	१५:२८	०.०७६	१५:५९	संबलपुर	१५:०९	१५:२७	०.०२१	१५:४५
चेन्नई	१४:२९	१५:१९	०.१५३	१६:०४	शिलांग	१५:१०	१५:३२	०.०३७	१५:५३
कोयम्बटूर	१४:२३	१५:१३	०.१४१	१५:५९	पोर्टब्लेयर	१४:१७	१५:२५	०.३९२	१६:२५
गुवाहाटी	१५:१६	१५:३२	०.०२१	१५:४८	सिलचर	१५:०३	१५:३२	०.०६८	१६:००
हैदराबाद	१५:०१	१५:२१	०.०२३	१५:४०	विजयवाड़ा	१४:४६	१५:२२	०.०८०	१५:५६
जमशेदपुर	१५:११	१५:२९	०.०२३	१५:४७	वि.पट्टनम	१४:४६	१५:२५	०.०९९	१६:०१

सूर्यग्रहण का सूतक अपने स्थान के ग्रहणारंभ के १२ घंटे पहले प्रारंभ हो जायेगा।

भद्रा विचार

भद्रा की उत्पत्ति : - देवताओं व असुरों के युद्ध काल में भगवान शंकर ने क्रोध भरी आंखों से उनके शरीर पर दृष्टिपात किया। उसी क्षण उनके शरीर से गधे के मुख, तीन पांव, सात हाथ, काला रंग, बड़े बड़े दांत, प्रेत का वाहन धारण करने वाली एवं मुख से अग्नि उगलती देवी का प्रादुर्भाव हुआ। उसने राक्षसों का अंत कर दिया इसी से प्रसन्न होकर देवगणों ने उसे सम्मान के स्वरूप 'विष्टि' भद्रादि संज्ञा से विभूषित कर करण में स्थापित कर दिया।

भद्रा का शुभाशुभ विचार :- भद्रा जिस समय रहती है उस काल में विवाह, मुण्डन, गृहारंभ, गृहप्रवेश, रक्षाबंधन, होलिका दहन आदि कार्य सर्वथा वर्जित है। परन्तु भद्रा काल में शुत्र का उच्चाटन, स्त्री प्रसंग, यज्ञ करना, स्नान करना, अस्त्र शस्त्र का प्रयोग, शल्यक्रिया, मुकदमा, अग्नि लगाना, किसी वस्तु को काटना, भैंस, ऊँट, घोड़ा क्रय-विक्रय संबंधी कार्य किये जा सकते है।

भद्रा का परिहार विचार

१. सामान्य परिस्थितियों में विवाह आदि शुभ कार्यों में भद्रा का त्याग ही करना चाहिए। अति आवश्यक स्थिति में भू लोक की भद्रा तथा भद्रा मुख को त्यागकर भद्रा पुच्छ में शुभ कार्य किये जा सकते हैं।

२. उत्तरार्द्ध की भद्रा दिन में एवं पूर्वार्द्ध की भद्रा रात्रि में हो तो शुभ मानी जाती है। अर्थात रात्रि की भद्रा दिन में एवं दिन की भद्रा रात्रि में हो ती भद्रा दोष रहित मानी जाती है।

३. भद्रा दोष, मंगल शनिवार जनित दोष, व्यतीपात, अष्टम भावस्थ एवं जन्म नक्षत्र दोष, मध्याह्न के पश्चात् शुभ कारक माने जाते हैं।

४. शुक्ल पक्ष भद्रा का नाम वृश्चिकी एवं कृष्ण पक्ष की भद्रा का नाम सर्पिणी है। बिच्छु का विष डंक में तथा सर्प का विष मुख में होने के कारण वृश्चिकी भद्रा की पुच्छ तथा सर्पिणी भद्रा का मुख विशेषतः त्याज्य है।

भद्रा मुख व पुच्छ विचार

शुक्ल पक्ष की व कृष्ण पक्ष की तिथियों के विभिन्न प्रहरों की दी गई घटियों में भद्रा मुख एवं भद्रा पुच्छ का संकेत किया गया है।

पक्ष	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	कृष्ण	शुक्ल	शुक्ल	शुक्ल	शुक्ल
तिथि	३	७	१०	१४	४	८	११	१५
प्रहर	८	३	६	१	५	२	७	४
मुखघटी	५	५	५	५	५	५	५	५
प्रहर	७	२	५	४	८	१	६	३
पुच्छघटी	३	३	३	३	३	३	३	३

नोट : प्रहर की गणना तिथि जहाँ से प्रारंभ हुई है वहीं से करें न कि सूर्योदय से।

नवरात्र में देवीजी के आने एवं जाने के वाहन का नाम एवं फलादेश

- नवरात्र में प्रतिपदा को कलश स्थापन यदि निम्न वारों में हो तो -

वार	वाहन	फल
रविवार-सोमवार	भगवती हाथी पर सवार होकर आती है।	अति वृष्टि - अधिक वर्षा)
शनिवार-मंगलवार	भगवत घोड़े पर सवार होकर आती है।	देश पर आपत्ति-राजा का निधन
गुरूवार-शुक्रवार	भगवती डोली पर सवार होकर आती है।	मृत्यु तुल्य कष्ट - आपत्ति
बुधवार	भगवती नौका पर सवार होकर आती है।	सर्वसिद्धि - कल्याण

- नवरात्र का विसर्जन (दशमी) यदि निम्न वारों में हो तो -

वार	वाहन	फल
रविवार-सोमवार	भगवती महिष (भैसा) पर सवार होकर जाती है।	शोक, रोग आपत्ति
शनिवार-मंगलवार	भगवती मुर्गा पर सवार होकर जाती है।	व्याकुलता - व्यग्रता
बुधवार-शुक्रवार	भगवती गज (हाथी) पर सवार होकर जाती है।	अतिवृष्टि (वर्षा)
गुरूवार	भगवती मनुष्य के कन्धे पर सवार होकर जाती है।	अतिसुख, मंगल, सुख

अथ शिव वास फल चक्रम्

तिथि सुदी	तिथि बदी	शिववास	फल
एकम्	सातम्	श्मशान में	मृत्यु तुल्य कष्ट
दूज	एकम्	गौरी के साथ	धन - सम्पति
तीज	दूज	सभा में	सन्ताप-पीड़ा
चौथ	तीज	रमण में	कष्ट
पाँचम्	चौथ	कैलास पर	सुख लाभ
छठ	पाँचम्	वृषभ पर	सिद्धि दायक
सातम्	छठ	भोजन पर	दुःख
आठम्	सातम्	श्मशान में	मृत्यु तुल्य कष्ट
नौमी	आठम् / अमावस्या	गौरी के साथ	धन-सम्पति
दशमी	नौमी	सभा में	सन्ताप-पीड़ा
ग्यारस	दशमी	रमण में	कष्ट
बारस	ग्यारस	कैलाश पर	सुख लाभ
तेरस	बारस	वृषभ पर	सिद्धि दायक
चौदस	तेरस	भोजन पर	दुःख
पूनम	चौदस	श्मशान में	मृत्यु तुल्य कष्ट

नोट : श्रावण माह में रूद्राभिषेक सभी दिन शुभ फलदायक है।

पंचक के लक्षण एवं दोष निवारण

पंचक पांच नक्षत्रों के मध्य की कालावधि होती है। धनिष्ठा नक्षत्र के उत्तरार्ध से रेवती तक पांच नक्षत्र पंचक कहलाते हैं। पंचक नक्षत्रों में धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती नक्षत्र शामिल है। मान्यताओं के अनुसार इन पांच नक्षत्रों में किये गये अशुभ कार्यों की पांच बार पुनरावृत्ति होती है। अतः पंचक में दक्षिण दिशा में गमन, घर का ढ़हना, प्रेत दाह, घास, लकड़ी का संग्रह, घाट भरना ये काम नहीं किये जाते हैं। इसके अलावा पंचकों में शुभ मांगलिक कार्यों का करना भी शास्त्रानुसार निषेध है।

पंचक का व्यापक प्रभाव इस प्रकार जाना जाता है। धनिष्ठा नक्षत्र 'ग्राम पंचक' है जिसमें जन्म हो तो गांव में पांच बालक जन्म लेते हैं और मरण हो तो पांच मनुष्यों की मृत्यु होती है। शतभिषा नक्षत्र 'कुल पंचक' है जिसमें किसी का जन्म हो या किसी की मृत्यु हो तो कुल में पांच बालक जन्म लें या पांच मनुष्यों की मृत्यु हो। पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र 'मोहल्ला पंचक' है जिसमें किसी का जन्म या मरण हो तो मोहल्ला-गली में पांच बालक जन्में या मरें। उत्तराभाद्रपद नक्षत्र 'गृह पंचक' है जिसमें किसी की मृत्यु हो तो घर में पांच बच्चे जन्मे या पांच व्यक्तियों की मृत्यु हो। रेवती नक्षत्र 'ग्राम बाह्यै पंचक' है जिसमें किसी का जन्म या किसी की मृत्यु हो तो गांव के बाहर पांच बच्चे जन्में या पांच व्यक्ति मरें। इस प्रकार से पंचकों का फल जानना शास्त्र सम्मत है।

पंचक में किसी की मृत्यु हो जाती है तो ऐसी मान्यता है कि उस परिवार या गांव में पांच और लोगों की मृत्यु होगी। अतः शव की निकासी के साथ मिट्टी के पांच पुराने वर्तन फोड़े जाते हैं और शव के साथ आटे के पांच पुतले बनाकर जलाये जाते हैं। इस विधि को टोटका कहते हैं।

मूल (बार) नक्षत्र एवं फलादेश

अश्विनी, आश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल और रेवती ये मूल (वार) के नक्षत्र हैं। इनमें ज्येष्ठा, मूल व आश्लेषा विशेष भारी है। अतः इन छहों नक्षत्रों में जन्में जातक की मूल शान्ति अवश्य करवानी चाहिए।

नक्षत्र	प्रथम चरण में जन्म	द्वितीय चरण में जन्म	तृतीय चरण में जन्म	चतुर्थ चरण में जन्म
अश्विनी	पिता को भारी	ऐश्वर्य की प्राप्ति	उच्च पद प्राप्ति	राज सम्मान
आश्लेषा	राज्य सुख	धन - हानि	माता को भारी	राज सम्मान
मघा	माता को भारी	पिता को भारी	शुभ फल प्राप्ति	धन - लाभ
ज्येष्ठा	माता के कुल को भारी	स्वयं को भारी	स्वयं के कुल को भारी	भाई को भारी
मूल	पिता को भारी	माता को भारी	धन - हानि	शुभ फल प्राप्ति
रेवती	राज्य सुख	राज सम्मान	सुख सम्पति	नाना प्रकार के कष्ट

पाद (पाया) विचार

स्वर्ण, रजत, ताम्र एवं लोह चार प्रकार के पाये (पाद) ज्योतिष में निर्धारित किये गये है। जातक का जन्म किस पाद में हुआ है, यह जानने के लिए जन्म लग्न निकालना होगा और लग्न से चन्द्रमा जिस भाव में स्थित हो उसी से पाया (पाद) का निर्धारण होगा। नीचे दर्शायी गयी तालिका से सुलभता पूर्वक पाये (पाद) का विचार हो सकता है।

ग्रह	लग्न से भाव	पाद (पाया)	फल	ग्रह	लग्न से भाव	पाद (पाया)	फल
चंद्र	१, ६, ११	स्वर्ण (सोना)	कष्टप्रद	चंद्र	३, ७, १०	ताम्र (तांवा)	शुभ
चंद्र	२, ५, ९	रजत (चाँदी)	शुभ	चंद्र	४,८, १२	लौह (लोहा)	कष्टप्रद

चंद्र के अलावा नक्षत्र से भी पाया का विचार किया जाता है। आर्द्रा से दस नक्षत्र तक जन्म लेने वाला बालक चांदी के पाये, विशाखा से चार नक्षत्र तक जन्म लेनेवाला लोहे के पाये, पूर्वाषाढ़ा से सात नक्षत्र तक जन्म लेनेवाला ताम्बे के पाये एवं रेवती से छः नक्षत्र तक जन्म लेनेवाला सोने के पाये जाना जाता है।

संवत् २०६५ में शनि की साढ़े साती एवं ढ़ैया

शनिदेव प्रत्येक राशि में लगभग अढ़ाई वर्ष (३० मास) रहते हैं। यह जिस राशि में रहते हैं उसके एक राशि आगे और एक राशि पीछे कुल साढ़े सात वर्ष (९० मास) के शनि के संचार काल को शनि की साढ़े साती कहते हैं। इस सम्वत् के प्रारंभ से ३ मई २००८ तक शनिदेव वक्री होकर सिंह राशि पर रहेंगे। उसके पश्चात् शनि सिंह राशि पर मार्गीय होकर विचरण करेंगें। अतः कर्क, सिंह एवं कन्या राशि वालों के लिए शनि की साढ़े साती एवं तुला एवं मीन राशि वालों के लिए शनि की ढैया रहेगी।

प्रायः सुनने में आता है कि शनि ग्रह अनिष्ट कारक है एवं शनि की साढ़े साती और ढ़ैया महान अनिष्टकर होती है। यह लोगों का भ्रम है। शनिदेव पाप ग्रह होते हुए भी श्रेष्ठ फलप्रदान करते हैं। जिनकी जन्म पत्रिका में शनिदेव उच्च राशि के हों, स्वगृही हो अथवा मित्र राशि पर स्थित हो उसके लिए प्रायः शनि की साढ़े साती वरदान सी सावित हुई है। यदि शनिदेव नीच राशि गत, शत्रु राशि गत अथवा मारक भावों में विराजमान हों तो ये अनिष्ट कारक हो सकते हैं।

जिन राशि वालों के शनि की साढ़े साती या ढ़ैया अनिष्ट कारक हो, उन्हें सुन्दर-कान्ड, श्री हनुमान चालीसा एवं रामायण का पाठ, शनिवार को पीपल की जड़ में प्रातः जलदान, सायं दीपदान, हनुमान जी की आराधना तथा काले घोड़े के नाल की अथवा चलती नाव की कील की अंगुठी (बिना तपाए बनाकर) शनिवार को धारण करनी चाहिए एवं किसी ज्योतिषी की सलाह से ५ रत्ती का नीलम रत्न सोने में बनाकर धारण करने के साथ शनिवार का व्रत, शनि का दान व जप, काली गाय का दान, काले कुत्ते को मीठा गुलगुला खिलानें से एवं शनिवार को शमी की लकड़ी से हवन करने से दुष्प्रभावों में कमी आएगी एवं यथोचित लाभ मिलेगा।

संवत् २०६५ में शनि पूरे वर्ष सिंह राशि में रहेंगें

जन्म राशि के गोचर से शनि	कर्क १ (ख)	कुम्भ ६	कन्या ११(ग)	स्वर्णपाद फल : लाभ-सफलता
जन्म राशि के गोचर से शनि	मिथुन २	मीन ५	वृश्चिक ९	ताम्रपाद फल : श्रम-संघर्ष
जन्म राशि के गोचर से शनि	वृष ३	मकर ७	तुला १० (घ)	रजतपाद फल : चिन्ता-कलह
जन्म राशि के गोचर से शनि	मेष ४	धनु ८	सिंह १२(क)	लौहपाद फल : सुख प्राप्ति

(क) हृदय पर चढ़ती ढ़ैया, (ख) पैर पर उतरती ढ़ैया, (ग) सिर पर चढ़ती ढ़ैया, (घ) लघु कल्याणी ढ़ैया

व्रत आदि क्यों और कैसे मनाये जायें

व्रत, पर्व और त्यौहार यद्यपि ये तीनों उत्सव के भिन्न-भिन्न रूप हैं तथापि किसी-न-किसी रूप में इनमें परस्पर विचित्र समानता पाई जाती है। व्रत का विधान बहुदा आध्यात्मिक अथवा मानसिक शक्ति की प्राप्ति के लिए, चित्त अथवा आत्मा की शुद्धि के लिए, संकल्प शक्ति की दृढ़ता के लिए, ईश्वर की भक्ति और श्रद्धा के विकास के लिए, वातावरण की पवित्रता के लिए, दूसरों पर अपने प्रभाव जमाने के लिए किया जाता है।

पर्व किसी मुख्य तिथि अथवा ज्योतिष के अनुसार ग्रहों आदि के संयोग का ही दूसरा नाम है जो किसी निर्दिष्ट समय पर आता है। पर्व का शाब्दिक अर्थ है गाँठ। जैसे ईख अथवा बाँस की गाँठ कुछ समान अन्तर पर निश्चित रूप से रहती है, वैसे ही भारतीय काल-गणना अथवा ज्योतिषशास्त्र के अनुसार कुछ पर्व भी बीच-बीच में निर्दिष्ट अवधि पर आते रहते हैं, जैसे कुंभ पर्व आदि। आकाश के नक्षत्रों और ग्रहों की स्थिति के अनुसार हमारे पर्वों का धरती के जीवन पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है। त्यौहार एक सामान्य शब्द है। आजकल इसका प्रयोग व्रत और पर्व के लिए भी होने लगा है। किन्तु इसका तात्पर्य वस्तुतः लौकिक उत्सवों एवं समारोहों की तिथि से ही अधिक समीप है, जैसे दशहरा, होली आदि।

व्रत दो प्रकार के होते हैं - १, काम्य और २. नित्य ।

(१) काम्य - उन्हें कहते हैं, जो किसी विशेष कामना को लेकर किये जाते हैं।

(२) नित्य - उन्हें कहते हैं, जिनमें किसी कामना का समावेश नहीं होता, वरन् जो भक्ति और प्रेम के कारण आध्यात्मिक प्रेरणा से किये जाते हैं। निष्काम अथवा निःस्वार्थ व्रत का ही स्थान ऊँचा होता है।

व्रत का आज सामान्य अर्थ उपवास हो गया है। उपवास शब्द का अर्थ है दुर्गुणों एवं दोषों से बचकर आत्मा अथवा गुणों के साथ वास अर्थात् निवास। हिन्दू संस्कृति में उपवासों का सर्वाधिक महत्त्व है।

हमारे यहाँ व्रतों में काम्य ही सर्वाधिक है और नित्य अथवा नित्य काम व्रतों का प्रायः अभाव है तथापि इन व्रतों के कारण हमारे समाज की मनोरचना और चित्तवृत्तियों की शुद्धि का सुन्दर परिचय मिलता है। यदि व्रतों के उद्देश्यों को समष्टि रूप में लिय जाय, तो धर्मशास्त्रों के कथनानुसार इनमें शारीरिक स्वास्थय-चिन्ता, पारिवारिक अथवा सामाजिक सुख-शान्ति, सन्तुष्टि, समृद्धि एवं अभ्युन्नति को ही उद्देश्य कोटि में रखा गया है।

हमारे यहाँ व्रतों के संदर्भ में देवी-देवताओं की मोहक कल्पना के रूपक ऐसी निपुणता से गढ़े गये हैं कि उसमें चारों वर्णों तथा आश्रमों की अनेकता के बीच भी व्यावहारिक एकता का सूक्ष्म विधान परिलक्षित होता है।

इन व्रतों अथवा पर्वों में हमारे दशे के भिन्न-भिन्न मतावलंबी लोगों के लिए अपनी-अपनी कुल-परम्परागत मान्यता के अनुसार चलने की पूरी सुविधाएं प्रदान की गयी हैं। एक धर्म अथवा सम्प्रदाय के देवता का अन्य धर्म अथवा सम्प्रदाय में बड़ी उदारता एवं सहानुभुति के साथ चित्रण किया गया है। सनातन हिन्दू धर्म में तो इस व्यापक दृष्टिकोण का पदे-पदे परिचय मिलता है।

वर्षा ऋतु के चारों महीनों में हिन्दू धर्म के सर्वाधिक व्रत पड़ते हैं। और इसी चातुर्मास में देवाधिदेव भगवान् विष्णु के शयन का निर्देश करके प्रकारान्तर से इन महीनों में सनातन मतावलम्बियों को भी अपने घर पर ही इन समस्त व्रतों आदि के प्रसंग में निवास करने की प्रेरणा दी गई है। सनातनी हिन्दुओं का मुख्य त्यौहार होली, दीपावाली, विजयादशमी, वसंतपंचमी, नाग-पंचमी आदि हैं, तो बौद्ध, जैन आदि मतों में भी सनातन धर्म के समान ही समादृत और महत्त्वपूर्ण हैं। किन्तु हिन्दुओं के सभी मतानुयायियों में उनकी विशेषता अखंडित है। कार्तिकी पूर्णिमा, मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी, अक्षय तृतीया, अनन्त चतुर्दशी आदि व्रतों अथवा पर्वों का सनातन हिन्दू धर्म तथा बौध एवं जैन धर्मों में समान महत्व है, किन्तु कारण भिन्न-भिन्न दिये गये हैं।

व्रतों के माहात्मय - हमारे धर्मशास्त्रों में इन व्रतों के विचित्र महत्त्व बतलाये गये हैं। किसी-किसी के महत्व तो इतने अतिश्योक्तिपूर्ण, अस्वाभाविक अथवा असंगत लगते हैं कि आज के तर्कशील मस्तिष्क में किसी भी प्रकार से उन्हें नहीं समाया जा सकता। ऐसे अवसरों पर गम्भीरता और सहानुभूति की आवश्यकता होनी चाहिए।

व्रतों की कथाएँ - व्रतों की कथाओं का व्रतों के जीवन में उपयोग में अत्यधिक महत्त्व है। ये कथाएं ही वास्तव में इन व्रतों को संजीवनी शक्ति हैं। इसलिए व्रतों के विधानों के साथ इनका भी अपना महत्व अक्षुण्ण है।

शुद्धता पर विशेष ध्यान - व्रतों में पूजन एवं उसके नियमों तथा विधि-विदानों का पालन भी वसेष महत्वपूर्ण होता है। पूजन में मुख्यता दो बातों पर ध्यान देने को कहा गया है - शुद्ध मन और शुद्ध शरीर। स्थान का महत्त्व भी कुछ कम नहीं है। अपने घर में ही किसी पूजा-गृह की कल्पना करके उसे सदा पुण्य प्रेरणाप्रद तथा सात्विक वातावरण से परिपूर्ण बनाये रखना चाहिए।

शारीरिक तथा मानसिक शुद्धि का व्रतों के अनुष्ठान में विशेष महत्व है। यदि मनुष्य का शरीर तथा वस्त्रादि अपवित्र हैं, मन चंचल तथा दूषित है, तो व्रत का तनिक भी फल उसे नहीं मिलता। अतएव सर्वप्रथम शरीर एवं वस्त्रादि की शुद्धि पर हमारे पूर्वजों ने अधिक ध्यान दिया है।

संकल्प तथा एकाग्रता - हमारे व्रतों में मानसिक शुद्धि अथवा संकल्प पर भी अधिक बल दिया गया है। इसके अलावा पूजा करते समय चित्त की एकाग्रता को भी प्रमुखता दी गयी है। इसके बावजूद व्रतों के प्रसंग में पूजन के समय निर्दिष्ट देवता की प्रतिमा की भी चर्चा की गयी है और सोने, चाँदी अथवा ताँबे आदि की प्रतिमा स्थापित करने को कहा गया है। प्राचीनकाल में हमारे देश में सोने, चाँदी की आज-जैसी कमी नहीं थी, किन्तु आज के युग में मृत्तिका की मूर्ति की सर्वत्र प्रतिष्ठा हो सकती है।

व्रतों का संकल्प लेने पर जो अत्यधिक बल दिया गया है, उसका कारण यह है कि संकल्प लेने से मनुष्य सर्वात्मना उसका पालन करने की बलवती प्रेरणा ग्रहण करता है। अन्यथा व्रत के खण्डित होने का भी भय रहता है। संकल्प लेने का सामान्य विधान यही है कि हाथ में पवित्र जल, अक्षत, कुश तथा ताँबे का एक पैसा लेकर पूर्व उत्तर की ओर मुख करके व्रत को सर्वाङ्ग रूप से पूरा करने की प्रतिज्ञा करें। अपना नाम, गोत्र, तिथि, दिन आदि का भी स्मरण कर लें। और भगवान से यह भी प्रार्थना करें कि मेरा यह व्रत सब प्रकार से निर्विघ्न पूरा हो। साथ ही जिस कामना से संकल्प लेकर व्रत का अनुष्ठान करना हो, उसका भी स्मरण कर लेना चाहिए। बहुदा यह संकल्प प्रातःकाल ही करना चाहिए।

व्रतों को खण्डित नहीं करना चाहिए - संकल्प ग्रहण करने के अनन्तर व्रत को खण्डित करना अपने चरित्र एवं संचित पुण्य को नष्ट करना है। इससे मनुष्य का आध्यात्मिक पतन होता है।

उपवास कैसे रखें - उपवास भरसक निर्जला और निराहार रहकर ही करना चाहिए। किन्तु न निभने पर जलग्रहण, फलाहार अथवा दुग्धाहार का विधान है। किन्तु वह भी अल्प मात्रा में, जितने से शरीर-यात्रा में कोई बाधा न पड़े। उपवास में अन्य वर्जनीय वस्तुएँ ये हैं : किसी जीव की हिंसा, निन्दा, मिथ्याभाषण, चोरी, चोर अथवा हिंसक के वार्तालाप एवं व्यवहार।

उपवास से एक दिन पूर्व भी केवल एक बार भोजन करना चाहिए। बहुदा आजकल जिस दिन व्रत रखना होता है, उसके पहले लोग इतना खा-पी लेते हैं कि पेट में तिल रखने की भी जगह नहीं रहती। उपवास में यदि निराहार और निर्जला न निभ सके, तो बिना नमक का हविष्य अन्नों का भोजन करना विहित है। उपवास में भोजन अथवा फलाहार केवल एक बार करना चाहिए। इसी प्रकार व्रत की समाप्ति के बाद पारण के दिन भी केवल एक बार ही भोजन करना चाहिए। अर्थात् एक दिन के व्रत का अर्थ है, तीन दिनों के नियमित जीवन का समारंभ।

लघु पंचांग प्राप्ति स्थान

सर्वश्री लक्ष्मीनारायण चन्द्रप्रकाश, नई अनाज मंडी, सादुलपुर - ३३१ ०२३, ☎ : २२२०१६, २२२५६१
सर्वश्री हमीरवासिया ब्रदर्स, भगवती गंज, बलरामपुर - २७१ २०१☎ : २३२२९०, २३२०२७
सर्वश्री मोबाईल किंग, तकिया, आजमगढ़ ☎ : ९३३५० १६८६८
सर्वश्री आलोक ट्रेडिंग कम्पनी, स्टेशन रोड, नानपारा - २७१ ८६५, ☎ : २३२०३९, २३२२०९
सर्वश्री अनुराधा इन्टरप्राईजेज, ५२/ए, बजीर बाग, छावनी बाजार, बहराईच - २७१ ८०१, ☎ : २२८७४४
सर्वश्री सुखदेवदास नागरमल, रेलवे क्रॉसिंग के निकट, तुलसीपुर - २७१ २०८, ☎ : २४४४२६
श्री कमल भगेरिया, सर्वश्री हीरा सर्विस स्टेशन, अजमेर रोड, जयपुर - ३०२ ०२१, ☎ : २३५१६७७
श्री मोहनलाल हमीरवासिया, आरोग्य सदन, ४५ जे. बी. नगर, अंधेरी (पूर्व) मुम्बई - ४०० ०५९, ☎ : २८२२६३६२
श्री भगवान दास टेकड़ीवाल, सर्वश्री कामख्या होम डेकोर, झाउगंज, पटना सिटी - ८०० ००८, ☎ : २६४२८९८
श्री पवन कुमार बजाज, श्रीराम गार्डेन्स, कांके रोड, राँची - ८३४ ००८, ☎ : ९४३११७०४०३
श्री धीरज गर्ग, १८, अनिल मित्र रोड़ (स्वीन-हो-स्ट्रीट), कलकत्ता - ७०० ०१९, ☎ : २४४० १३७५ / १७३६
सर्वश्री सरस्वती पेपर मार्ट, ६५, कॉटन स्ट्रीट, कोलकाता - ७०० ००७ ☎ : २२६९ ५४४९, २२७० १३४७
सर्वश्री माँ मनसा इन्टरप्राइज, ४६, जमुनालाल बजाज स्ट्रीट, कोलकाता - ७०० ००७, ☎ : २२७० ५६९५
श्री ओमप्रकाश बालासरिया, सर्वश्री उमाश्री, ए.सी. मार्केट, कोलकाता - ७०० ०७१, ☎ : २२८२२६२६
सर्वश्री कोहली फूटवियर्स, मोती बाजार, निकट पंजाब नेशनल बैंक, हिसार - १२५ ००१, ☎ : ३०९२९९
सर्वश्री श्रीनिवास सुनील कुमार मित्तल, बाजपुर - २६२ ४०१, उत्तरांचल, ☎ : २८११३५, २८१०१७
सर्वश्री आनन्द गोपाल टी कम्पनी (दार्जिलिंग) प्राइवेट लि०, सेवक रोड, सिलीगुड़ी - ७३४ ४०१, ☎ : २४३००१८
श्री रमेश कुमार मित्तल, सर्वश्री ट्रेड एण्ड एजेन्सी, सेवक रोड, सिलीगुड़ी - ७३४ ४०१, ☎ : २७७३३६७
श्री इन्द्रचन्द अग्रवाल, "नन्दकृपा", ५ गुरूधाम कॉलोनी, वाराणसी ☎ : २३१२१६६
सर्वश्री मनसा हार्डवेयर एण्ड सेनेटरी, रिंग रोड नं.-१, महादेव घाट चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़, ☎ : २२१२३५६
श्री अशोक कुमार गोयल, नटराज कॉलोनी, अग्रसेन मार्ग, नीमच, मध्य प्रदेश ☎ : २२८९९७
सर्वश्री श्री मनसा देवी स्टोर, दुकान नं. ए-९, सुरज आर्केड, मक्खनटोला, काठमाण्डु, नेपाल, ☎ : ४२४३२९५
सर्वश्री श्री गोपाल ऑयल इण्डस्ट्रीज, बारपेटा रोड, असम - ७८१ ३१५ ☎ : २६०७४३, २६०७४७

Saraswati™ Since 1954

Saraswati Paper Mart

H. Off.: 65, Cotton Street, Kolkata - 7, Ph. : 22695449
B. Off.: 13, Narayan Pd. Babu Lane, Kol - 7, Ph.: 22701347

DEALS IN:

- A/c. Books, Bahikhata & Registers, Stationeries, Files.
- Computer Paper Lables, Ribbons, Stickers, Floopy Disk, Blank CD/DVD

Dealer :

Neelgagan® BRAND

Office Stationery & Cobra Fils, Executive Slip Pads, Spiral Pads, Peon Book,
Steno Book, Visitor Book, Telephone Diary, Fancy Note Book, Plastic Cover Note Book,
Bank Book, Collection Book, Ledger Book Etc.
Plastic Files & Folders, Fax Rolls & STD Rolls, Display File, Computer File, Visiting Card Album Etc.